प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-19 | मथुरा, सोमवार, 16 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

फिल्म शोले की तर्ज पर हाईवोल्टेज ड्रामा

प्रेमिका को बुलाने को 80 फीट टावर पर चढ़ा आशिक, हड़कंप

कोसीकलां स्थित रेलवे का टावर। इस पर चढ़कर आकाश ने प्रेमिका की खातिर ड्रामा किया।

कार्यालय संवाददाता

आकाश

यूनिक समय, मथुरा। फिल्म शोले के बीरू की तरह प्रेमिका को बुलाने के लिए कोसीकलां का एक युवक आकाश रेलवे के 80 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया। उसने कहा कि बचाने के लिए अगर कोई टावर पर चढ़ने का प्रयास करेगा तो वह उसकी मौत का जिम्मेदार होगा। युवक को टावर पर चढ़ा देख वहां भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सोमवार की प्रातः रेलवे के 80 फीट ऊंचे टेलीकॉम टावर पर युवक

प्रेमिका को बुलाने और शादी कराने की लगा रहा था रट

आकाश को चढ़ा देख कर वहां से गुजरने वालों की भीड़ एकत्रित हो गई। रेलवे और थाने की पुलिस को जब एक युवक के टावर पर चढ़े होने की सूचना मिली तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को टावर से नीचे उतारने का प्रयास किया। इस पर युवक ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया कि अगर किसी ने भी टावर पर चढ़ने का प्रयास किया तो उसकी मौत की जिम्मेदारी उसकी होगी।

पता लगने पर इकलौते बेटे की मां भी टावर पर पहुंची

बेटे को इस हाल में देख बेहद दुखी थी

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां के गोपाल बाग इलाके की आदर्श कॉलोनी में रहने वाले युवक आकाश के रेलवे के 80 फीट ऊंचे टेलीकॉम टावर पर चढ़ने का पता लगने पर उसकी मां कमला के होश उड़ गए। मां दौड़ती हुई टावर के समीप पहुंच गई। टावर के समीप पहुंची मां ने जब बेटे को देखा तो उसकी हालत खराब हो गई। लोगों को जब पता लगा कि टावर पर चढ़ने वाले युवक की ये मां है तो उन्होंने बताया कि युवक आकाश उसका इकलौता बेटा है। उसका कई साल पहले थाना शेरगढ़ के गांव बड़ा की रहने वाली एक युवती के साथ प्रेम संबंध चल रहा था। दोनों ने शादी भी

आकाश की मां कमला

कर ली। लड़की के परिवार के लोगों को इस बात का पता लगा तो उन्हें उसे घर पर कैद कर लिया। लड़की को उसके परिवार के लोग आने नहीं दे रहे हैं। इसके चलते आकाश बेहद परेशान रहने लगा। उसे इस बात का पता भी नहीं लगा कि आकाश किस समय घर से निकल कर टावर पर चढ़ गया है। इसे लेकर वह काफी परेशान है।

पुलिस विभाग इसके चलते परेशानी में फंस गया। हर तरह से पुलिस ने उसे समझाने का प्रयास करते हुए टावर से नीचे उतरने को कहा। युवक का कहना था कि उसकी प्रेमिका को परिवार के लोगों ने बंधक बना रखा है और उसे आने नहीं दे रहे हैं। प्रेमिका को मौके पर बुलाकर उसका बयान कराए जाए। वह आना चाहती है, लेकिन परिवार के लोग इसमें रोड़ा बने हुए हैं। मौके पर पहुंचे अधिकारियों और पुलिस ने युवक को आश्वासन दिया कि उसकी प्रेमिका आ गई है और उसके साथ शादी करा दी जाएगी। इसके बाद किसी तरह युवक करीब डेढ़ बजे टावर से सकुशल नीचे उतरा। इसके बाद वहां खड़े तमाशबीनों और पुलिस ने राहत की सांस ली।

योगी सरकार की योजना हवा में

हेलीकॉप्टर और क्रूज के सपने अधूरे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। प्रदेश की योगी सरकार ने लोगों का सपना पूरा करने के लिए वृंदावन से हेलीकॉप्टर चलाने और गोकुल तक यमुना में क्रूज चलाने का ऐलान किया था। सरकार की घोषणा से वृंदावन ही नहीं बल्कि कई और शहरों के लोगों को लगा था कि चलो वृंदावन से हेलीकॉप्टर द्वारा कई तीर्थ स्थानों की यात्रा कुछ ही घंटों में पूरी कर लेंगे। इसी तरह से यमुना की सैर करने के लिए क्रूज में बैठेंगे, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी लोगों के सपने पूरे नहीं हो सके। वजह न तो हेलीपैड से हेलीकॉप्टरों ने प्रयागराज, अयोध्या और काशी विश्वनाथ के लिए उड़ान भरी और न ही क्रूज गोकुल तक चल सका। क्रूज चलाने की योजना तो यमुना के पानी में समा गई।

केशीघाट के निकट खड़ा क्रूज खराब स्थिति में लोगों को चिढ़ाता नजर आ रहा है। इसी तरह से हेलीपैड बिना हेलीकॉप्टर के लिए लोगों के लिए खेल का मैदान बन गया है। इस हेलीपैड पर सुबह–सुबह युवाओं को क्रिकेट खेलते देखा जा सकता है। साथ ही बाहर से तीर्थयात्रियों को लेकर आने वाली बसों के लिए पार्किंग स्थल नजर आता है। हां, इतना अवश्य है कि कोई वीआईपी आता है तो समय–समय पर उसकी

छाता शुगर मिल की योजना भी तोड़ रही है उम्मीद

रंगाई पुताई करके चमकाने का काम जरूर हो जाता है। इस कार्य को लेकर लोगों का कहना है कि कई विभागों का बजट खर्च हो जाता होगा। लोगों का कहना है कि सरकार योजनाओं का ऐलान करके भूल जाती है कि उनकी योजना धरातल पर चल रही है या फिर फुस्स हो गई है।

सपा युवजन सभा के जिला उपाध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय का कहना है कि दोनों मामलों से सपा मुखिया अखिलेश यादव को अवगत कराएंगे, जिससे वह विधानसभा और लोकसभा में सरकार की इस तरह की योजनाओं को उठवाएं, जिससे सरकार की हकीकत सामने आ सके। एनडीए में शामिल राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ चौ जगपाल सिंह कहते हैं कि योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले और सत्ता में आते ही छाता शुगर मिल चलाने के लिए मंजूरी दी थी। मीडिया में भी खबरें आईं, लेकिन अब 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आ गए, लेकिन छाता शुगर मिल चलने की कोई गुंजाइश नजर नहीं आ रही है।

पेट्रोल भरवाकर बिना भुगतान किए भागा

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कोतवाली के ग्राम अकबरपुर स्थित एक पेट्रोल पंप पर आज सुबह एक कार सवार युवक पंप कर्मचारी को बिना पैसे दिए रफूचक्कर हो गया। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह की है। अकबरपुर स्थित द्विवेदी पेट्रोल पंप पर एक कार आकर रुकी, जिसमें चालक ने 5400 रुपये का तेल डलवाया। जैसे ही सेल्समैन ने भुगतान के लिए हाथ बढ़ाया, शातिर चालक ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ाई और मौके से फरार हो गया। अचानक हुई इस घटना से पंप कर्मियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही केडी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि गाड़ी के नंबर और आरोपी की पहचान की जा सके।

बदलता ट्रेंड

बदलती जीवनशैली में बढ़ रहा 'डिंक' ट्रेंड

कई युवा दंपति चुन रहे चाइल्ड–फ्री जीवन

यूनिक समय, नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली, बढ़ती महंगाई और करियर को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति के कारण देश के महानगरों में 'चाइल्ड–फ्री' यानी बिना बच्चों के जीवन जीने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। युवा दंपति अब परिवार की पारंपरिक परिभाषा से अलग अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार जीवन शैली चुन रहे हैं। बेंगलुरु के अंकित और श्रेया जैसे कई युवा दंपति इस ट्रेंड का उदाहरण हैं। दोनों बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत हैं और शादी के चार साल बाद भी उन्होंने बच्चा न करने का फैसला किया है। उनका कहना है कि वे अपने समय और संसाधनों को यात्रा, फिटनेस और स्किल अपग्रेड जैसी गतिविधियों में लगाना पसंद करते हैं। इस तरह के दंपतियों को 'डिंक' यानी डबल

इनकम नो किड्स कहा जाता है। महानगरों में यह ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। एक निजी सर्वे के अनुसार दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में 28 से 40 वर्ष आयु वर्ग के करीब 27 प्रतिशत दंपतियों ने बताया कि वे अपनी इच्छा से संतानहीन रहना पसंद कर रहे हैं। विभिन्न अध्ययनों के

महंगाई, करियर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के कारण महानगरों में बिना बच्चे वाले परिवारों की संख्या बढ़ी

अनुसार महानगरों में बिना बच्चे या केवल एक बच्चे वाले परिवारों की संख्या 20 से 30 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। एक फर्टिलिटी अवेयरनेस सर्वे में पाया गया कि लगभग 18 प्रतिशत जेन–जी महिलाएं बच्चे नहीं चाहतीं। वहीं कई युवा केवल एक बच्चे तक सीमित रहने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस प्रवृत्ति के साथ कुछ नए सामाजिक शब्द भी प्रचलन में आए हैं, जैसे डिंक, डिंकवाड (डबल इनकम नो किड्स विद ए डॉग) और डिस्क (डबल इनकम सिंगल चाइल्ड)।

इनमें कई दंपति पालतू पशुओं को परिवार का हिस्सा मानते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार डिंक वर्ग के पास अधिक डिस्पोजेबल आय होती है और वे यात्रा, लग्जरी, फिटनेस, पालतू पशुओं की देखभाल और निवेश पर ज्यादा खर्च करते हैं। इसी कारण ट्रैवल, हॉस्पिटैलिटी और प्रीमियम रिटेल जैसे सेक्टर इस वर्ग को ध्यान में रखकर नए पैकेज और सेवाएं तैयार कर रहे हैं। हालांकि इस ट्रेंड के साथ कुछ सामाजिक और कानूनी चिंताएं भी जुड़ी हैं, जैसे भविष्य में संपत्ति का उत्तराधिकारी कौन होगा और समाज में इसकी स्वीकार्यता कितनी होगी। फिर भी शहरी भारत में चाइल्ड–फ्री जीवन को अपनाने वाले दंपतियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

अवैध कब्जों को हटवाने गई राजस्व टीम से की थी अभद्रता

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के गांव खरौट में अवैध कब्जों को हटवाने के लिए गई टीम के साथ अभद्रता करके सरकारी कार्य में बाधा डालने और बुर्जी बिटोरों में आग लगाने के मामले में वांछित चल रहे चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गांव खरौट में सरकारी भूमि पर किए जाने वाले अवैध कब्जों को हटवाने के लिए गई राजस्व की टीम के साथ अवैध कब्जा धारकों ने 13 मार्च को झगड़ा कर दिया। राजस्व टीम के साथ अभद्रता करते हुए

झगड़ा कर सरकारी काम में बाधा डालने वाले चार गिरफ्तार

सरकारी कार्य में बाधा डाली और बुर्जी बिटोरो में आग लगा दी। इस मामले में थाना कोसीकलां में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इस मामले में गांव के पीतम, दौलत राम उर्फ कल्लू, कुलदीप उर्फ कारे व गोलू को गांव खरौट में छापे मार कर गिरफ्तार किया है।

सुनो सुनो आ रही हैं राष्ट्रपति — रास्ते बंद, पार्किंग तय, पुलिस अलर्ट

19, 20 एवं 21 मार्च को मत आना वृंदावन और गोवर्धन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। 19, 20 एवं 21 मार्च को यदि आप वृंदावन और गोवर्धन आने की सोच रहे हैं तो सोच समझकर आइए। यहां तीन दिनों तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को लेकर कई इलाकों में यातायात व्यवस्था परिवर्तित रहेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने यातायात मार्गों को परिवर्तित किया है। इस कारण वृंदावन और गोवर्धन क्षेत्रों में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों में खड़ा कराया जाएगा। दोनों क्षेत्रों के प्रमुख लोगों ने भी 19, 20 एवं 21 मार्च को आने वाले श्रद्धालुओं के सचेत करने के लिए सोशल मीडिया पर भी

पुलिस डायवर्जन से सड़क पर आने से रोकेगी वाहनों को

सूचना डाल दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित कार्यक्रमों के मिले संकेतों की मानें तो वह वृंदावन में रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम, उड़िया बाबा आश्रम, श्रीकृष्ण बलराम इस्कॉन मंदिर, संत प्रेमानंद महाराज के केलिकुंज आश्रम एवं वात्सल्य ग्राम जाएंगी। वह यहां पूरी तरह से आध्यात्मिक भाव में डूबी नजर आएंगी। यहां से उनका गोवर्धन जाने का कार्यक्रम है। वह दानघाटी पर गिरिराज महाराज के दर्शन कर सात कोस की परिक्रमा लगाएंगी। प्रशासन ने प्रस्तावित स्थानों की ओर जाने वाले मार्गों पर सुरक्षा के लिहाज से लोगों की आवाजाही पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। चप्पे चप्पे पर पुलिस की तैनाती होगी। राष्ट्रपति के जाने वाले रास्तों को देखते हुए वृंदावन और गोवर्धन आने वाले वाहनों के यातायात में भी परिवर्तन किया जाएगा। पुलिस प्रशासन तीन दिनों तक ई रिक्शा के संचालन पर संभवतः पूर्णतः रोक लगाएगा। इसलिए सड़कों पर सन्नाटा सा दिखाई देगा।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सोशल मीडिया पर तीर्थयात्रियों से वृंदावन और गोवर्धन न आने की अपील के स्टीकर।

अब मशीन से चमकेगी यमुना, विश्राम घाट से शुरुआत

यमुना सफाई को उतरी स्किमर हार्वेस्टर मशीन

विश्राम घाट पर ड्यूल पर्पज स्किमर हार्वेस्टर मशीन का उद्घाटन करते महापौर विनोद अग्रवाल।

नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल ने किया स्किमर मशीन का शुभारंभ

मशीन के संचालन से यमुना की सफाई व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यमुना की स्वच्छता को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम ने यमुना की सफाई के लिए 1.80 करोड़ रुपये की लागत से खरीदी गई ड्यूल पर्पज स्किमर हार्वेस्टर मशीन का आज विश्राम घाट पर महापौर विनोद अग्रवाल ने मशीन का पूजन कर उद्घाटन किया।

बताया गया कि यह अत्याधुनिक मशीन यमुना में तैरते हुए अवशिष्ट पदार्थ जैसे फूल–माला, पत्तियां, पॉलीथिन, प्लास्टिक बोतलें और अन्य फ्लोटिंग कचरे को निकालने में सक्षम है। यह मशीन यमुना में फैली जलकुंभी और अन्य जलीय खरपतवार को काटकर हटाने का कार्य भी करेगी, जिससे यमुना की सफाई और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। इस मशीन के माध्यम से मथुरा के घाटों और यमुना नदी के विभिन्न हिस्सों में नियमित रूप से सफाई अभियान चलाया जाएगा, जिससे यमुना स्वच्छता अभियान को और मजबूती मिलेगी। महापौर एवं महाप्रबंधक (जल) मोहम्मद अनवर ख्वाजा ने स्वयं मशीन में बैठकर उसकी कार्यप्रणाली का अवलोकन भी किया। महापौर ने कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस इस मशीन के संचालन से यमुना की सफाई व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। इस मौके पर पर अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, अधिशासी अभियंता राम कैलाश, सहायक अभियंता हेमेंद्र गौतम, अवर अभियंता अजय, सफाई निरीक्षक राजकुमार कुमार लवानिया आदि उपस्थित थे।

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने पीताम्बरी देवी के किए दर्शन

पुराने बस स्टैंड स्थित मां पीताम्बरी देवी (बंगलामुखी) मंदिर में दर्शन करते टीम इंडिया के सदस्य रिंकू सिंह के साथ भाजपा नेता योगेश द्विवेदी अन्य।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य रिंकू सिंह विश्व कप जीतने के बाद छटीकरा स्थित पूर्व पालिका अध्यक्ष पुष्पा शर्मा के फार्म हाउस पहुँचे। रिंकू सिंह के पहुँचने पर पूर्व पालिकाध्यक्ष पुष्पा शर्मा व भाजपा नेता योगेश द्विवेदी ने दुपट्टा ओढाकर स्वागत कर भारतीय टीम को वर्ल्डकप जीतने की बधाई दी। रिंकू सिंह इसेक बाद पुराने बस स्टैंड स्थित मां बगलामुखी मंदिर पहुँचे। यहां पीताम्बरी देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। मंदिर सेवायत नीरज चतुर्वेदी ने रिंकू सिंह से पूजा अर्चना कराई। उन्होंने कहा कि मातारानी से वर्ल्डकप की जीत के लिये कामना की थी। मां की कृपा से भारतीय टीम जीती। कहा माँ के दर्शन कर में धन्य हो गया। इस मौके पर यूपी रणजी टीम के सदस्य अंश द्विवेदी भी मौजूद थे।

माता मनकामेश्वरी देवी की शोभायात्रा 18 को निकलेगी

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कस्बा स्थित गणेशबाग माता मनकामेश्वरी देवी की शोभायात्रा 18 मार्च को सायं चार बजे से निकाली जाएगी। शोभायात्रा के साथ चैत्र नवरात्रि मेले का शुभारंभ हो जायेगा। मेला अध्यक्ष अभिषेक पाराशर ने बताया कि कार्यक्रम में विधायक पूरन प्रकाश, ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट, एमएलसी योगेश नोहवार, पूर्व उच्च शिक्षामंत्री श्यामसुंदर शर्मा तथा कृष्णकुमार शर्मा मुख्य अतिथि बतौर मौजूद रहेंगे। मेला संचालक एवं सेवायत महंत मनोज नागर ने बताया कि मंदिर पर प्रतिदिन हवन कीर्तन का आयोजन होगा।

तापमान / मौसम

34 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

19 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,58,200

22 कैरेट 1,45,360

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर महा अभियान का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। भाजपा मथुरा महानगर के धौली प्याऊ मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर 2026 महा अभियान में 7 सूत्रीय वर्ग का आयोजन कैंप कार्यालय कौशिक प्लाजा में किया। इसमें प्रथम सत्र मुख्य वक्ता पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर ने भाजपा की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष नितिन कौशिक ने की। दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. डी एन गौतम ने भाजपा कार्य पद्धति के विषय में बताया। प्रशिक्षण में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बिना भेदभाव की चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शिविर में राजकुमार अग्रवाल, हीरासिंह कुंतल ,घनश्याम लोधी, पवन हिंडोल यज्ञदत्त कौशिक, कुलदीप पाठक मंडल मीडिया प्रभारी पंकज खंडेलवाल, रामरतन चौधरी, धर्मेश नौहवार, हर्षगौर, योगेश चौधरी, विपिन चाहर, गौरी शंकर, विपिन पाराशर, पवन खंडेलवाल, मनोज राजपूत, विनय गिरी गोस्वामी तथा प्रदीप आदि लोग उपस्थित थे।

सिंधी उत्सव के प्रचार को दोपहिया वाहनों पर निकले युवा

यूनिक समय, मथुरा। सिर पर भगवान झूलेलाल के फोटो की टोपी और झंडियां लिए, सफेद रंग के ड्रेसकोड के साथ जिलेभर के तमाम सिंधीजन संगठित होकर अपने टूव्हीलर वाहनों पर आयोलाल झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए दिखे। वाहन रैली में सिंधी समाज की एकता स्पष्ट नजर आयी। मीडिया प्रभारी किशोर इसरानी ने बताया कि सिन्धी जनरल पंचायत की ओर से सिंधी उत्सव पखवाड़ा चलाया जा रहा है। 17 मार्च को कृष्णा आर्चिड में झूलेलाल ज्योत प्रज्वलित तथा रक्तदान कार्यक्रम, 20 मार्च को झूलेलाल जयंती चेटीचंड पर्व के प्रति समाज की सहभागिता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से सोमवार को नगर में आमंत्रण यात्रा निकाली गई। सिंधी नवयुवक मंडल के अध्यक्ष तरूण लखवानी, उपाध्यक्ष मनोहर मंगलानी, महामंत्री तरूण नाजवानी, वरिष्ठ सदस्य गिरधारी नाथानी, कोषाध्यक्ष दीपक टेकवानी, मंत्री सतीश मंगलानी, मंत्री रवि चंदानी, ऑडिटर दिनेश केवलानी, चंदा मंत्री धर्मेंद्र खत्री, मीडिया प्रभारी ललित नाथानी, जितेंद्र उतवानी, मुकेश कोतकवानी आदि के नेतृत्व में वाहन रैली सुबह कृष्णा नगर पुलिस चौकी मुकुंद रिसोर्ट से शुरू हुई, जिसमें सिंधी समाज के सभी संगठनों की महिलाएं एवं पुरुष, सफेद ड्रेसकोड में भगवान झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए बड़े अनुशासित ढंग से आते–जाते हुए राहगीरों को नवसंवत्सर की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए अपने अपने टूव्हीलर वाहनों पर निकले। इसमें वरूणावतार झूलेलाल जयंती के प्रति सिंधीजनों का उत्साह चरम पर दिखा। मुख्य संयोजक रामचंद्र खत्री ने आमंत्रण यात्रा के माध्यम से अपील की कि सभी सजातीय सिंधीजन 20 मार्च को झूलेलाल जयंती पर अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर शिरकत करें। अनिता चावला, भारती केवलानी, कोकल भाटिया, सपना मंगलानी सहित तमाम महिलाओं में भी उत्साह देखा गया। इस मौके पर सुरेश मेठवानी, जितेंद्र लालवानी, जीवतराम चंदानी, बसंत मंगलानी, भगवानदास बेबू, चंदन आडवाणी, झामनदास नाथानी उपस्थित थे।

मथुरा शहर में निकाली दो पहिया रैली में शामिल सिंधी समाज के लोग ।

नवयुवक मंडल की वाहन रैली में दिखी सिंधी समाज की एकता

ऊंचागांव आरोग्य मंदिर में सीएचओ की अनुपस्थिति का मामला

यूनिक समय, मथुरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश सिंह ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर ऊंचागांव का पिछले दिनों निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां तैनात सीएचओ रमारानी ड्यूटी पर मौजूद नहीं मिलीं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधाबल्लभ ने बताया कि निरीक्षण के समय सीएचओ के अनुपस्थित मिलने पर मामले की जांच के लिए एक समिति बनाई गई थी। बाद में रमारानी ने प्रार्थना पत्र देकर कहा कि वह इस जांच समिति से संतुष्ट नहीं हैं और मामले की जांच किसी अन्य विभाग से कराए जाने की मांग की है। सीएमओ ने बताया कि उनका प्रार्थना पत्र मिलने के बाद इस मामले की जानकारी जिलाधिकारी को भेज दी गई है, ताकि आगे की जांच किसी दूसरे विभाग से कराई जा सके। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि चिकित्सा अधीक्षक वीडियो के माध्यम से स्टाफ की लोकेशन देखते हैं।

दूसरी बार जांच की गई

इस बारे में जब चिकित्सा अधीक्षक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वह वीडियो के जरिए यह देखते हैं कि स्टाफ ड्यूटी पर है या नहीं।

बच्चे की सेफ्टी टैंक में गिर कर मौत, मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। थाना क्षेत्र के सैनी मोहल्ले में एक बच्चे की सेफ्टी टैंक में डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। परिवार में चार साल के इकलौते बच्चे की हुई मौत सें कोहराम मचा हुआ है। सैनी मौहल्ला निवासी राजेश सैनी के भाई होती लाल सैनी के घर के पास मकान का निर्माण हो रहा है। निर्माणाधीन मकान में बने सेफ्टी टैंक में पानी भरकर छोड़ दिया गया। बताया गया कि किसी समय राजेश का चार वर्षीय बेटा गोलू घर से अचानक निकल गया। घर के लोगों के काम में लगे होने के कारण गोलू की ओर किसी का ध्यान

बच्चे की मौत के बाद करूण क्रंदन करती महिलाएं।

नहीं गया। काफी देर बाद भी परिवार के लोगों ने उसकी खोज खबर नहीं ली। निर्माणाधीन मकान के सेफ्टी टैंक में भरे पानी के अंदर गोलू को

परिवार में अकेला था बच्चा

भाई के निर्माणाधीन मकान का था सेफ्टी टैंक

पड़ा देख वहां खेलने वाले बच्चों ने शोर किया। इस पर परिवार के लोग गोलू को बाहर निकाल कर डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत के बाद परिवार के लोगों में कोहराम मचा हुआ है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनियों का जाल

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। तहसील छाता क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों भू–माफिया और कॉलोनाइजर सक्रिय हैं।

शासन के सख्त निर्देशों के बावजूद कृषि योग्य भूमि पर धड़ल्ले से अवैध कॉलोनियों का निर्माण किया जा रहा है। बिना किसी ले–आउट प्लान पास कराए और बिना लैंड यूज चेंज कराकर उपजाऊ भूमि पर कंक्रीट का जाल बिछाया जा रहा है। देखने में आ रहा है जगह–जगह सरकारी संपत्ति चकरोडों नाली आदि पर यह लोग कब्जा करने से नहीं कतराते हैं। तहसील के निकटवर्ती जाव गांव के रहने वाले कृष्ण पहलवान एवं अन्य लोगों ने अवैध कॉलोनी बसाने वालों के ऊपर कार्रवाई के लिए तहसील प्रशासन और जिला प्रशासन को अवगत कराया। उसी के संदर्भ में नायब तहसीलदार के

शिकायत पर तहसील प्रशासन की कार्रवाई

नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई करते हुए सरकारी रास्ते को कब्जा मुक्त कराया। कृष्ण पहलवान ने बताया कि यह एक गंभीर विषय है कृषि स्वरूप और नियमों को ताक पर रखकर भूमाफिया कॉलोनी नाइजर, फरीदाबाद, दिल्ली तथा गुरुग्राम आदि से आकर के यहां पर अवैध कॉलोनियां निर्माण कर बेच रहे हैं, और सरकारी संपत्तियों पर कब्जा कर रहे हैं। तहसील टीम ने बुलडोजर से सरकारी चकरोड को खाली कराया। नायब तहसीलदार शिव शंकर ने बताया कि गांव जाब में तहसील टीम को अवैध कॉलोनी बनाने एवं सरकारी चक रोड पर कब्जा की शिकायत मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर एक सरकारी चकरोड को कब्जा मुक्त कराया है।

बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

महंगाई के विरोध में होली गेट पर धरना देते कांग्रेसी।

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के आह्वान पर देश में बढ़ती महंगाई तथा गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि और नियमित आपूर्ति न होने के विरोध में कांग्रेस की जिला इकाई ने होली गेट चौराहे पर प्रदर्शन किया। नेतृत्व करते हुए जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति न होने के कारण कालाबाजारी चरम पर पहुंच गई है। आरोप लगाया कि 14 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 60 रुपये और 19 किलो वाले व्यावसायिक सिलेंडर के दाम में 115 रुपये की बढ़ोतरी से आम जनता परेशान है। जिला महासचिव वैद्य मनोज गौड़ ने कहा कि यदि विदेश नीति के स्तर पर समय रहते बदलाव नहीं किया गया और भारत का ईरान से दूरी का रुख जारी रहा तो देश में गैस संकट और गंभीर हो सकता है। महानगर के पूर्व अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित होने से अनेक होटल, ढाबे और रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर हैं। गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं की रसोइयां भी प्रभावित हो रही हैं। प्रदर्शन में उमाशंकर शर्मा, शालू अग्रवाल, रूप लवानिया, गीता दिवाकर, भगवान देवी, कुंवर सिंह निषाद, विपुल पाठक, पार्षद धनंजय चौधरी, धीरज शर्मा, हर्ष चौरसिया, खुशीराम पटेल, ललिता देवी, भगवान सिंह, डीपी, हरिदत्त शर्मा, अनिल खरे, ललित शर्मा, अजीम शाह तथा देवेंद्र पाल आदि उपस्थित थे।

आर्य समाज वेद मंदिर को खाली कराने की दी धमकी

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन की अनाज मंडी स्थित आर्यसमाज वेद मंदिर में जबरन कब्जा करने का प्रयास किया गया। हवन कर रहे पुजारी को धमकी देकर मंदिर खाली कराने की बात कही गई। पुजारी ने इस बारे में पुलिस को तहरीर दी है। वृंदावन की अनाज मंडी स्थित आर्य समाज वेद मंदिर के पुजारी रमेश चंद्र भारद्वाज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि 14 मार्च को वह मंदिर में हवन कर रहे थे। इसी दौरान एक महिला और दो पुरुष वहां मंदिर में घुस आए।

महिला और दो पुरुषों ने कमरे पर जबरन कब्जे का किया प्रयास

इन लोगों ने मंदिर में बने एक कमरे में जबरन कब्जा करने का प्रयास किया। पुजारी के विरोध करने पर इन लोगों ने पुजारी को मंदिर खाली करके चले जाने और परिवार को जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुजारी का कहना है कि घटना के बाद से वह बेहद भयभीत है।

एनएसएस के बच्चों ने फूल भेंट कर पढ़ाया सड़क सुरक्षा का पाठ

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दौरान गांधी इंटर कॉलेज इकाई के स्कूली बच्चों ने छाता–गोवर्धन रोड स्थित गांव रनवारी के मुख्य चौराहे पर अनोखी पहल करते हुए आम जनता को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को डांटने के बजाय, बच्चों ने उन्हें गुलाब के फूल भेंट किए और सुरक्षित सफर की अपील की। छात्र–छात्रा हाथों में 'हेलमेट लगाएं, जीवन बचाएं' और 'सीट बेल्ट का प्रयोग करें' जैसी तख्तियां लेकर सड़क पर उतर आए। स्थानीय लोगों के सहयोग से आयोजित अभियान में बच्चों ने उन चालकों को फूल दिए जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना था, तीन सवारी लेकर चल रहे थे, या जो वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग कर रहे थे।

राधा बल्लभ मंदिर सेवायत प्रकरण

प्राथमिक जांच में सेवायत ने खुद किया हमला

संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना (मथुरा)। बरसाना क्षेत्र में रविवार को ग्राम सहार स्थित राधा बल्लभ मंदिर के सेवायत पर हुए जानलेवा हमले की प्राथमिक जांच में घटना को स्वयं अंजाम दिया जाना पाया जा रहा है। एसपी आरए सुरेशचंद रावत ने कहा कि सहार के राधाबल्लभ मंदिर के सेवायत गूंगा बाबा (42) पर मंदिर परिसर में हुए जानलेवा हमले की प्राथमिक जांच में आस–पास लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तो देखा गया कि मंदिर में सेवायत अकेले ही आए थे। इसके बाद मंदिर में कोई नहीं आया। साथ ही फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य संकलन किए गए हैं। इस बात से लगता है कि सेवायत ने घटना को स्वयं ही अंजाम दिया है। सेवायत गूंगा बाबा आठ साल से मंदिर में सेवा पूजा कर रहे थे।

हालत खतरे से बाहर चल रहा है इलाज

उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर है। घटना की जांच में अगर कोई और तथ्य सामने आते हैं तो उन पर भी कार्रवाई कराई जाएगी।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर

गैस ने बढ़ाई ठेला वालों की चिंता

ढकेल पर गोल गप्पे और आलू की टिकिया बेचता दुकानदार।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अमेरिका–इजराइल और ईरान के बीच चल रहे तनाव और युद्ध की खबरों के बीच जिले में भी गैस को लेकर लोगों में चिंता बढ़ने लगी है। खासकर ठेला लगाकर रोज कमाई करने वाले छोटे व्यापारियों का कहना है कि अगर यही हाल रहा तो उनके सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो सकता है।

हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि जितना डर फैलाया जा रहा है, स्थिति उतनी खराब नहीं है।

शहर में कई ठेला विक्रेताओं ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से गैस सिलेंडर लेने में परेशानी हो रही है।

जिले में गैस को लेकर बढ़ रही है चिंता

कमर्शियल सिलेंडर महंगा होने से ठेला और छोटे व्यापारियों की बढ़ी परेशानी

कुछ लोगों ने अफवाहों से बचने की दी सलाह

साथ ही कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम भी बढ़ गए हैं। इससे छोटे व्यापारियों का खर्च बढ़ गया है और काम करना मुश्किल हो रहा है।

चाट विक्रेता प्रेमचंद्र ने बताया कि

जब से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध की स्थिति बनी है, तब से गैस सिलेंडर लेने में दिक्कत होने लगी है। उन्होंने कहा कि पहले कमर्शियल सिलेंडर करीब 1800 रुपये में मिल जाता था, लेकिन अब मजबूरी में 2800 रुपये तक में खरीदना पड़ रहा है।

छोले–कुल्चे विक्रेता कैलाश सिंह

का कहना है कि जितनी चर्चा हो रही है, स्थिति उतनी खराब नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने छोटे सिलेंडर में करीब 100 रुपये प्रति किलो के हिसाब से गैस भरवाई थी, लेकिन अब वही गैस 200 रुपये प्रति किलो के हिसाब से भरवाई जा रही है। इससे खर्च जरूर बढ़ा है।

ठेला विक्रेता सत्यदेव सिंह का

कहना है कि कुछ लोग बेवजह अफवाह फैला रहे हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल बन रहा है। उन्होंने कहा कि गैस मिल तो रही है, लेकिन दाम बढ़ने और बुकिंग में थोड़ी परेशानी जरूर हो रही है।

तंदूरी विक्रेता मोहन सिंह ने बताया

कि अभी सिलेंडर मिल रहा है और काम भी चल रहा है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का थोड़ा असर जरूर पड़ा है, लेकिन अभी इतनी बड़ी समस्या नहीं है। अगर गैस के दाम लगातार बढ़ते रहे तो छोटे व्यापारियों की परेशानी और बढ़ सकती है।

स्व. चौधरी दाऊदयाल जी गर्ग (लोहे वाले) गोलोकवास (17.03.1990)

छत्तीसवीं पुण्यतिथि

आज आपकी छत्तीसवीं पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारीजन आपको अश्रुपूरित नेत्रों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते है एवं आपके बताए मार्ग पर चलने को दृढ़ संकल्पित है।

आपकी अविरल स्मृतियां सदैव हमारे साथ है।

चौधरी सूरजभान दाऊदयाल लोहे वाला परिवार।

कलाकुंज कॉलोनी, भूतेश्वर, मथुरा

धोखाधड़ी में वांछित दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त योगेंद्र सिंह निवासी रोशन नगर नई आबादी गौरव चौक माया होम स्टेट मैरिज होम के पास फतेहाबाद रोड आगरा व शैलेंद्र सिंह निवासी नगला चंद्रभान दीनदयाल धाम फरह धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे थे। पुलिस ने एक सूचना के आधार पर दोनों अभियुक्तों को मोती मंजिल के निकट से गिरफ्तार किया है।

वृंदावन में 8.50 करोड़ रुपये की लागत से अक्रूर भवन का होगा निर्माण

अखिल भारतीय वार्ष्णेय वेलफेयर के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता एवं राष्ट्रीय महामंत्री नेमीचंद वार्ष्णेय आदि पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय वार्ष्णेय वेलफेयर ने वृंदावन में श्री अक्रूर जी भवन का निर्माण कराने का निश्चय किया है। इस पर करीब 8.50 करोड़ रुपए की लागत आएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि मथुरा–वृंदावन मार्ग पर अक्रूर जी स्मृति भवन का निर्माण 550 वर्ग गज में 19 अप्रैल को पूजा अर्चना के साथ किया जाएगा। इसमें एक श्री अक्रूर जी की प्रतिमा, 44 एसी कमरे, रेस्टोरेंट किचन हॉल आदि प्रस्तावित हैं। 11 सदस्यीय टीम की निगरानी में यह कार्य कराया जायेगा। राष्ट्रीय महामंत्री नेमीचंद वार्ष्णेय ने बताया कि भवन निर्माण होने से सम्पूर्ण वार्ष्णेय समाज के लोग अपने मांगलिक कार्य सुगमता से कर पाएंगे। इस मौके पर प्रेम वार्ष्णेय, मुनेश गुप्ता, डॉ. अशोक वार्ष्णेय, मनोज बजरंगी, गौरव वार्ष्णेय, कुंज बिहारी, सुनील वार्ष्णेय, गिरीश गुप्ता, महेश वार्ष्णेय, योगेश वार्ष्णेय, बंशीधर वार्ष्णेय, अनिता गुप्ता, अमरप्रकाश गुप्ता तथा भुवनेश वार्ष्णेय आदि मौजूद थे।

एसआईआर अभियान में मथुरा जिले का शानदार प्रदर्शन

सभी विधानसभा क्षेत्रों में 98.97% सुनवाई पूरी

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत 15 मार्च तक बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। निर्वाचन विभाग द्वारा जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार जिले की पांचों विधानसभाओं–छाता, मांट, गोवर्धन, मथुरा और बलदेव में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया तेजी से जारी है। प्रशासन का लक्ष्य आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। अभियान के अंतर्गत फॉर्म–6 (नए मतदाताओं का पंजीकरण) के लिए जिले में कुल 1,16,278 आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त हुए हैं। इनमें छाता विधानसभा में 15,282, मांट में 14,524, गोवर्धन में 19,051, मथुरा में सर्वाधिक 48,857 और बलदेव में 18,564 आवेदन शामिल हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि नए मतदाता जोड़ने के मामले में मथुरा विधानसभा क्षेत्र सबसे आगे रहा है। इसी प्रकार फॉर्म–7 (मतदाता सूची से नाम विलोपन) के लिए कुल 3,938 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें छाता से 795, मांट से 938, गोवर्धन से 416,

मथुरा विधानसभा में सर्वाधिक नए मतदाता आवेदन

मथुरा से 1,002 तथा बल्देव से 787 आवेदन शामिल हैं। वहीं फॉर्म–8 (मतदाता विवरण में संशोधन) के लिए जिले में कुल 25,135 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विधानसभा क्षेत्रवार देखें तो छाता में 2,778, मांट में 4,792, गोवर्धन में 3,638, मथुरा में 10,379 तथा बलदेव में 3,548 आवेदन प्राप्त हुए हैं। निर्वाचन विभाग के अनुसार सुनवाई प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए जिले में कुल 4,14,206 नोटिस जारी किए जाने थे। इनमें से 4,14,178 नोटिस जनरेट किए जा चुके हैं। विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़ों में छाता में 72,096, मांट में 64,741, गोवर्धन में 72,153, मथुरा में 1,19,357 तथा बलदेव में 85,831 नोटिस जनरेट किए गए हैं। इनमें से अधिकांश नोटिस संबंधित मतदाताओं तक पहुंचाए जा चुके हैं। जिले में कुल 4,13,844 नोटिसों का सफलतापूर्वक वितरण किया गया है, जिससे सुनवाई प्रक्रिया को गति मिली है। सुनवाई की प्रगति भी संतोषजनक रही है। विधानसभा क्षेत्र छाता में 98.35 प्रतिशत, मांट में 99.35 प्रतिशत, गोवर्धन में 98.84 प्रतिशत, मथुरा में 99.77 प्रतिशत तथा बलदेव में 98.29 प्रतिशत मामलों की सुनवाई पूरी हो चुकी है। जिले में सुनवाई का औसत 98.97 प्रतिशत दर्ज किया गया है, जो अभियान की प्रभावी प्रगति को दर्शाता है। हालांकि कुछ मामलों में तकनीकी या अन्य कारणों से सुनवाई प्रभावित भी हुई। निर्वाचन विभाग के अनुसार 4,127 मामलों में सुनवाई की तिथि लैप्स हो गई, जबकि 104 मामलों में सुनवाई की तिथि पुनर्निर्धारित (री–शेड्यूल) की गई है। अधिकारियों का कहना है कि शेष मामलों का भी शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। प्रशासन ने बीएलओ, सुपरवाइजर और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े सभी प्रकरणों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आगामी चुनाव से पहले जिले की मतदाता सूची पूरी तरह अद्यतन, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाई जा सके।

जिले के ब्लॉकों में 17 से 26 मार्च तक सुरक्षा जवान व सुपरवाइजर भर्ती शिविर लगेगा

यूनिक समय, मथुरा। जिले के विभिन्न ब्लॉकों में 17 से 26 मार्च तक सैनिक सुरक्षा जवान और सैनिक सुरक्षा सुपरवाइजर के लिए भर्ती शिविर लगाए जाएंगे। यह आयोजन एसआईएस सिक्योरिटी इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती पूजा गुप्ता ने बताया कि शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तर पर रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। भर्ती अधिकारी पी.एन. मल्लिक के अनुसार सुरक्षा जवान के लिए शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल या इंटरमीडिएट निर्धारित है। 17 मार्च को मथुरा ब्लॉक, 18 और 19 मार्च को नौहझील, 20 और 21 मार्च को छाता, 23 और 24 मार्च को गोवर्धन तथा 25 और 26 मार्च को नंदगांव क्षेत्र में शिविर आयोजित होंगे। समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। इच्छुक युवक अपने मूल दस्तावेज लेकर निर्धारित स्थान पर पहुंच सकते हैं। किसी भी जिले का अभ्यर्थी इन शिविरों में भाग ले सकता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नियुक्ति विभिन्न स्थानों पर दी जाएगी।

राया में पांच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन

प्रशिक्षण के दौरान एक तंबू में छात्राएं शिक्षिकाओं के साथ।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। रेलवे रोड श्रीमती प्रेमलता मायादेवी अग्रवाल बालिका महाविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण का समापन हो गया। प्रशिक्षण प्रशिक्षक रमेश चन्द्र शर्मा एवं महिला ट्रेनर रेखा ने बी एड की छात्राओं को सामान्य जीवन से जुड़े तथ्यों की जानकारी दी। स्काउट गाइड प्रशिक्षण के द्वितीय एवं तृतीय दिवसों में स्काउट प्रतिज्ञा की नियमों स्काउट गाइड चिन्ह सैल्यूट की स्थिति सीटी के संकेतों का ज्ञान कराया। चौथे और पांचवें दिन प्राकृतिक चिकित्सा गांठ लगाना गाइड वर्दी, छात्राओं को तंबू लगाना, बिना आग के भोजन बनाने की कला का ज्ञान कराते हुए सभी छात्राओं का दीक्षा संस्कार कराया गया।

प्राचार्या डॉ. दीप्ति कुलश्रेष्ठ ने सभी छात्राओं को प्राप्त प्रशिक्षण से ज्ञान लेते हुए इन कौशलों को अपने जीवन में आत्मसात करने का सुझाव दिया।

मुख्य अतिथि सुरेन्द्र शर्मा ने सभी छात्राओं से स्काउट गाइड नियमों को पालन करने पर जोर दिया। इस अवसर पर जगदीश अग्रवाल, चन्द्र प्रकाश अग्रवाल, रविकुमार श्रीवास्तव, अनामिका, डॉ. नीरज शर्मा, डॉ. अनीता, डॉ. हितेंद्र राकेश एवं राम सेवक आदि मौजूद थे।

कृमि नियंत्रण दवा से वंचित रह गए बच्चे

स्कूल और आंगनबाड़ी में कम दिखी जागरूकता

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बच्चों को पेट के कीड़ों से बचाने के लिए हर साल कृमि नियंत्रण अभियान चलाया जाता है। इसके तहत एक से 19 साल तक के बच्चों को एल्बेंडाजॉल दवा खिलाई जाती है। लेकिन जिले में इस बार अनेक बच्चे दवा से वंचित रह गए हैं। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि कहीं स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों की लापरवाही तो नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह अभियान हर

एक से 19 साल तक के बच्चों को खिलाई जाती है एल्बेंडाजॉल दवा

जिले में करीब 13 लाख बच्चों को दी गई

साल फरवरी माह में एक सप्ताह तक चलाया जाता है। इस दौरान स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को दवा खिलाई जाती है। जो बच्चे उस समय दवा नहीं ले पाते, उन्हें बाद में मॉप–अप राउंड के दौरान दवा दी जाती है। इसके अलावा छह महीने के अंतराल पर फिर से यह दवा खिलाई जाती है। जानकारी के अनुसार जिले में कई स्थानों पर बच्चे दवा से छूट गए। कुछ स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति कम रही, वहीं कई आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी बच्चे नहीं पहुंचे। इसके कारण सभी बच्चों को दवा नहीं खिलाई जा सकी। डीसीपीएम डॉ. पारूल ने दावा किया कि जिले में करीब 13 लाख बच्चों को कृमि नियंत्रण की दवा खिलाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस बार कुछ प्रतिशत का अंतर आया है। स्कूल संचालकों को पत्र भेजकर अभियान की जानकारी भी दी गई थी, लेकिन फिर भी जागरूकता कम दिखाई दी। उन्होंने बताया कि कई आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी बच्चों की संख्या कम रही। स्वास्थ्य विभाग अब छूटे हुए बच्चों को मॉप–अप राउंड में दवा खिलाने की तैयारी की थी।

हत्या के प्रयास में वांछित गिरफ्तार, तमंचा बरामद

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने यमुना के पुराने पुल को जाने वाले रोड पर शमशान को जाने वाले रास्ते के समीप से हरी मोहन निवासी केवीएस इंटरनेशनल स्कूल के पास जयगुरुदेव मंदिर के निकट थाना हाईवे हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देशी तमंचा कारतूस बरामद किए हैं।

स्मार्ट मीटर का असर, बकाएदारों की बिजली गुल

बकाया बिल पर गिरी गाज 3000 हजार कनेक्शन कटे

यूनिक समय, मथुरा। शहर में स्मार्ट मीटर व्यवस्था लागू होने के बाद बिजली निगम ने बकाया बिलों को लेकर सख्ती शुरू कर दी है। पिछले दो दिनों में करीब 3000 से अधिक उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति ऑनलाइन तरीके से बंद कर दी गई। हालांकि जिन उपभोक्ताओं ने अपने प्रीपेड मीटर रिचार्ज करा दिए, उनकी बिजली आपूर्ति दोबारा बहाल कर दी गई। जानकारी के अनुसार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं और इन्हें चरणबद्ध तरीके से प्रीपेड प्रणाली से जोड़ा जा रहा है। कई उपभोक्ताओं को नई व्यवस्था की पूरी जानकारी न होने तथा बिल बकाया रहने के कारण विद्युत विभाग ने उनकी बिजली सप्लाई ऑनलाइन काट दी। बताया गया कि शुक्रवार और शनिवार को लगभग ढाई हजार से अधिक उपभोक्ताओं की बिजली बकाया के चलते बंद की गई। शहर के करीब 400 उपभोक्ताओं तथा औरंगाबाद क्षेत्र के दो हजार से अधिक बकाएदारों की बिजली आपूर्ति बाधित की गई। उधर बिजली सप्लाई बंद होने पर कई उपभोक्ताओं ने विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया। इस दौरान एक्सईएन (शहरी) आशीष गुप्ता अपनी टीम के साथ राधा ऑर्चिड कॉलोनी पहुंचे और मीटरों की जांच की। उन्होंने उपभोक्ताओं को प्रीपेड मीटर और रिचार्ज प्रक्रिया की जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था में बकाया होने पर बिजली तुरंत बाधित हो जाएगी, इसलिए उपभोक्ता समय पर भुगतान या मीटर रिचार्ज अवश्य कराएं।

प्रधानमंत्री आवास योजना : सिंगल क्लिक से खातों में पहुंची पहली किस्त

यूनिक समय, मथुरा। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत प्रदेश के 90 हजार लाभार्थियों को 900 करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर से सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रत्येक लाभार्थी के खाते में पहली किस्त के रूप में एक–एक लाख रुपये भेजे।

इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मथुरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान के किसान भवन सभागार में दिखाया गया। जनपद मथुरा में योजना के बीएलसी घटक के अंतर्गत कुल 5019 आवास स्वीकृत हैं, जिनमें से 4942 लाभार्थियों को पहले ही धनराशि दी जा चुकी है। इस कार्यक्रम में 636 लाभार्थियों के खातों में सहायता राशि पहुंची।मुख्यमंत्री द्वारा राशि जारी करते ही सभागार में उपस्थित लाभार्थियों के मोबाइल पर खाते में धनराशि आने के संदेश मिलने लगे। इस अवसर पर महापौर विनोद अग्रवाल, बल्देव विधायक पूरन प्रकाश, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, अपर नगर मजिस्ट्रेट वृंदावन तथा परियोजना अधिकारी डूडा राजकुमार चौधरी मौजूद रहे।

अशोका इंटेलेक्ट स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते कई पदक

जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल के विजेता खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल, तारसी (भरतपुर रोड) के खिलाड़ियों ने 13-14 मार्च को आयोजित जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन गणेशरा स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता में गोला फेंक में मुकेश ने प्रथम और कृष्णा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक में चिराग ने प्रथम तथा कुलदीप ने द्वितीय स्थान हासिल किया। ऊंची कूद में चिराग ने प्रथम, आदर्श ने द्वितीय और कृष्णा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जयंत ने 200 मीटर दौड़ में तृतीय और लंबी कूद में द्वितीय स्थान हासिल किया। खिलाड़ियों के स्कूल लौटने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में चेयरमैन अशोक कुमार अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कोच दीक्षा गौतम के मार्गदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर डायरेक्टर डॉ. निर्मल अग्रवाल ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ अनुशासन और टीम भावना भी विकसित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में खेल विभाग प्रमुख ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क कृत्रिम अंग शिविर

यूनिक समय, मथुरा। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विशाल कुमार ने बताया कि सांसद हेमा मालिनी के सहयोग से सोमवार को राजीव भवन स्थित सांसद कार्यालय परिसर में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान करने हेतु शिविर लगाया। शिविर का आयोजन ऑटोवॉक कंपनी ने किया। शिविर का शुभारंभ सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा ने किया। शिविर के दौरान लगभग 40 दिव्यांगजनों का परीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि चयनित लाभार्थियों को अगले चरण में जर्मन तकनीक से बने आधुनिक कृत्रिम अंग निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक ए.के. उपाध्याय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विशाल कुमार, जीएसटी जॉइंट कमिश्नर रमेश सिंह, इंडियन ओवरसीज बैंक के शाखा प्रबंधक चंचल पालिया, शशांक आंधिवाल, असित शंकर, भानु प्रताप, अमन शर्मा तथा ऑटोवॉक कंपनी से धनंजय कुमार आदि उपस्थित थे।

प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया

प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक के शिविर में मरीज को देखते डॉक्टर।

यूनिक समय, मथुरा। स्व. सतीश चंद्र सूतिया की पुण्य स्मृति में प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर लगाया। शिविर का शुभारंभ संस्था के संरक्षक महामंडलेश्वर योगी नवल गिरी महाराज, संयोजक श्रीमती मीना अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, प्रियंशु अग्रवाल, वंशिका अग्रवाल, जानवी अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल, संरक्षक अमृत लाल खंडेलवाल, संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, अध्यक्ष प्रभात कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष योगेश सर्राफ, मनोज बंसल, मनीष शोरावाला, महामंत्री योगेश गोयल, कोषाध्यक्ष पंकज टालीवाल, प्रचार मंत्री सुधीर अग्रवाल, मंत्री प्रियेश अग्रवाल, सलाहकार रूपेश अग्रवाल, सह–कोषाध्यक्ष नारायण हरि गोयल, योगेंद्र गोयल ने किया। शिविर में निदेश अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, डॉ. दिवाकर गोयल, डॉ. शिवम गुप्ता, डॉ. अमिताभ पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

नववर्ष मेला की प्रतियोगिताओं में सैकड़ों बच्चों ने लिया भाग

सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में आयोजित मेहदी, रंग भरो और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए बच्चे।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति प्रतियोगिता विभाग के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं के परिणाम और पुरस्कार वितरण 18 मार्च को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में आयोजित नवसंवत्सर मेला में दिए जायेंगे। नववर्ष मेला समिति के प्रतियोगिता विभाग द्वारा जूनियर और सीनियर वर्ग में मेहंदी, पोस्टर बनाओ और रंग भरो प्रतियोगिताएं कराई गई। इसमें 380 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। मेहंदी प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में बहनों ने माखन खाते हुए गोपाल और सीनियर वर्ग में सिंह पर सवार दुर्गा मां को दर्शाते हुए मनोहारी मेहंदी रचाई गईं। पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में जल संरक्षण और सीनियर वर्ग में ऑपरेशन सिंदूर पर मनोहारी पोस्टर बनाए गए। रंग भरो प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई और सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के रेखाचित्र में रंगभरी प्रतियोगिता की।

रंगमंचीय प्रतियोगिताएं 18 मार्च को

मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि 17 मार्च को सायं 5 बजे से सामान्य ज्ञान और निबंध प्रतियोगिताएं कृष्ण चन्द गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधव कुंज में होंगी।

राजीव एकेडमी में मोबाइल ऐप्स डेवलपमेंट में एआई के प्रभाव पर हुई कार्यशाला

एआई के समावेश से मोबाइल ऐप्स बन रहे अधिक स्मार्टः राहुल ठाकुर

मोबाइल ऐप्स डेवलपमेंट पर एआई का प्रभाव विषय पर आयोजित कार्यशाला में छात्र–छात्राओं को जानकारी देते अतिथि वक्ता राहुल ठाकुर।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी में "मोबाइल ऐप्स डेवलपमेंट पर एआई का प्रभाव" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें एमसीए द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में एमआरसीसी ट्रांसफोरमेशन पीवीटी एलटीडी के सीनियर फ्लटर डेवलपर राहुल ठाकुर ने बताया कि आज मोबाइल ऐप डेवलपमेंट केवल कोडिंग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें एआई आधारित फीचर्स का तेजी से समावेश हो रहा है, जिससे एप्लिकेशन अधिक स्मार्ट और उपयोगकर्ता के अनुकूल बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि एआई की मदद से मोबाइल ऐप्स में पर्सनलाइजेशन, ऑटोमेशन और बेहतर यूजर एक्सपीरियंस संभव हो पाया है। कार्यशाला के दौरान राहुल ठाकुर ने फ्लटर तकनीक के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फ्लटर के माध्यम से डेवलपर्स एक ही कोडबेस से एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म के लिए एप्लिकेशन तैयार कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने एआई आधारित चैटबॉट, वॉयस रिकग्निशन, इमेज प्रोसेसिंग और स्मार्ट रिकमेंडेशन सिस्टम जैसे फीचर्स के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपमेंट, एआई इंटीग्रेशन और भविष्य में उपलब्ध करियर अवसरों को लेकर प्रश्न पूछे। राहुल ठाकुर ने विद्यार्थियों को नई तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने तकनीकी कौशल को लगातार विकसित करने की सलाह दी। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने कहा कि इस तरह के इंडस्ट्री–ओरिएंटेड कार्यक्रम विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी प्रवृत्तियों से परिचित कराते हैं और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं। आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने भी ऐसे आयोजनों की सराहना की। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रही।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर डाइट में शामिल करें चुकंदर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल बदलती जीवनशैली, जंक फूड और कम शारीरिक गतिविधि के कारण कम उम्र में ही लोगों में बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या बढ़ती जा रही है। शरीर में बढ़ा हुआ बैड कोलेस्ट्रॉल दिल से जुड़ी कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए इसे समय रहते नियंत्रित करना बहुत जरूरी होता है। सही खान–पान और हेल्दी डाइट के जरिए कोलेस्ट्रॉल को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। ऐसी ही एक फायदेमंद सब्जी है चुकंदर, जिसे डाइट में शामिल करने से दिल की सेहत बेहतर हो सकती है और कोलेस्ट्रॉल को संतुलित रखने में मदद मिल सकती है।
चुकंदर पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और नाइट्रेट जैसे कई लाभकारी तत्व पाए जाते हैं। खासतौर पर हाई कोलेस्ट्रॉल से जूझ रहे लोगों के लिए चुकंदर काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद फाइबर शरीर में जमा अतिरिक्त फैट और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से शरीर की नसों में जमा वसा को कम करने में सहायता मिल सकती है। चुकंदर में मौजूद नाइट्रेट शरीर में जाकर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है। यह ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करता है और उन्हें चौड़ा करने में मदद करता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। अच्छी ब्लड फ्लो की वजह से दिल पर दबाव कम पड़ता है और हृदय की कार्यक्षमता बेहतर रहती है। इसके अलावा चुकंदर का सेवन शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल के स्तर को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। कुछ शोधों के अनुसार, चुकंदर का जूस पीने से ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम हो सकता है और बैड कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में सहायता मिलती है। चुकंदर में फ्लेवोनोइड्स और सैपोनिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के संतुलन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।
फाइबर से भरपूर होने के कारण चुकंदर पाचन तंत्र के लिए भी अच्छा माना जाता है। एक कप चुकंदर में लगभग 3.8 ग्राम फाइबर पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित रखने में सहायक होता है। साथ ही इसमें कैलोरी और फैट की मात्रा भी कम होती है, जिससे यह दिल की सेहत के लिए एक हेल्दी विकल्प बन जाता है।
अगर आप चुकंदर को अपनी डाइट में शामिल करना चाहते हैं तो इसका जूस पीना एक अच्छा तरीका हो सकता है। रोजाना लगभग 70 मिलीलीटर चुकंदर का जूस पीने से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और शरीर की सहनशक्ति बढ़ाने में मदद मिल सकती है। हालांकि जिन लोगों को किडनी स्टोन की समस्या है, उन्हें चुकंदर का सेवन सीमित मात्रा में या डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए, क्योंकि इसमें ऑक्सालेट्स की मात्रा अधिक होती है।

नाशते में बनाएं हेल्दी और टेस्टी मखाना चीला

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप सुबह के नाश्ते में कुछ हेल्दी और स्वादिष्ट खाना चाहते हैं तो मखाना चीला एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह न सिर्फ बनाने में आसान है, बल्कि पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण शरीर को ऊर्जा भी देता है। मखाने में प्रोटीन, फाइबर और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो इसे हेल्दी बनाते हैं।
मखाना चीला बनाने के लिए सबसे पहले एक कप मखानों को हल्के गर्म तवे पर 2-3 मिनट तक भून लें, ताकि वे कुरकुरे हो जाएं। इसके बाद उन्हें ठंडा करके मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। अब एक बाउल में मखाने का पाउडर, आधा कप सूजी और एक चौथाई कप बेसन मिलाएं। इसमें दो चम्मच दही, बारीक कटा प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक, नमक और थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा और स्मूद बैटर तैयार करें। बैटर को 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें। अब नॉन–स्टिक तवा गरम करके उस पर थोड़ा तेल या घी लगाएं। बैटर डालकर गोल आकार में फैलाएं और मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेकें। तैयार मखाना चीला हरी चटनी या सॉस के साथ परोसें।

एआई से शिक्षा होगी आसान

वर्कशॉप में शिक्षकों को दी गई नई तकनीक की जानकारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। जयपुर में शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुए द पैलेस स्कूल में "एआई इन स्कूल्स" विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह वर्कशॉप पीएन काबरा फाउंडेशन के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसमें शहर के 35 स्कूलों और 5 एनजीओ के शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना और शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना था।
वर्कशॉप के दौरान एआई एक्सपर्ट विलब्राड जॉर्ज ने शिक्षकों को एआई टूल्स के प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एआई कभी भी शिक्षक की जगह नहीं ले सकता, लेकिन यदि शिक्षक इन टूल्स का सही तरीके से उपयोग करें तो पढ़ाई को अधिक रोचक, सरल और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एआई की मदद से शिक्षक कुछ ही मिनटों में लेसन प्लान, वर्कशीट, क्विज, टेस्ट पेपर और केस–बेस्ड सवाल तैयार कर सकते हैं। इसके अलावा अलग–अलग स्तर के छात्रों के लिए पर्सनलाइज्ड स्टडी मटेरियल भी आसानी से बनाया जा सकता है। वर्कशॉप में ग्रेजुअल रिलीज ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी (जीआरआर) मॉडल के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से छात्र धीरे–धीरे विषय को स्वयं समझने और सीखने में सक्षम बनते हैं। एआई टूल्स के उपयोग से शिक्षकों को कई तरह की सुविधाएं मिल सकती हैं। इन टूल्स की मदद से इंटरएक्टिव गेम्स और गतिविधियां तैयार करके कक्षा को अधिक रोचक बनाया जा सकता है। साथ ही स्टूडेंट पोर्टफोलियो, स्कूल न्यूजलेटर और सोशल मीडिया अपडेट भी कम समय में तैयार किए जा सकते हैं। वर्कशॉप में विभिन्न एआई प्लेटफॉर्म्स के बारे में भी जानकारी दी गई।

एप के जरिए बोल पा रहे लोग, होंठ हिलाकर बना रहे स्पष्ट आवाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। जो लोग बोल नहीं सकते या जिनकी आवाज साफ नहीं निकलती, उनके लिए एक नई तकनीक उम्मीद बनकर सामने आई है। अब ऐसे लोग मोबाइल एप की मदद से अपनी बात स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पा रहे हैं। यह तकनीक आईआईआईटी हैदराबाद में कंप्यूटर साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर और राजस्थान के अजमेर निवासी विनीत गांधी ने विकसित की है। यह शोध खासतौर पर उन लाखों लोगों के लिए राहत की खबर है जो न्यूरल डिसऑर्डर या डिसआर्थिया जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं।
विनीत गांधी ने दो विशेष एप तैयार किए हैं। पहला एप "लिप-टू-स्पीच" है, जिसके जरिए गूंगे या बोलने में असमर्थ लोग केवल अपने होंठों की हल्की गतिविधि से भी स्पष्ट ध्वनि उत्पन्न कर सकते हैं। यह एप होंठों की मूवमेंट को पहचानकर उसे आवाज में बदल देता है। इससे वे लोग भी अपनी भावनाएं और विचार व्यक्त कर सकते हैं जो पहले बोल नहीं पाते थे। उदाहरण के तौर पर कोई बच्चा जो कभी अपने दोस्तों से बात

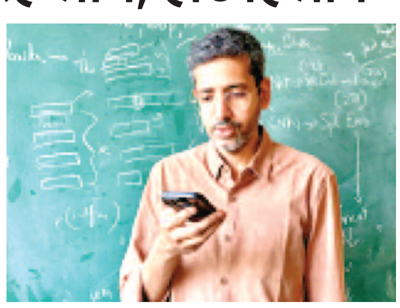

नहीं कर पाता था, अब स्कूल में आसानी से संवाद कर सकता है। दूसरा एप "डिसआर्थिया-टू-स्पीच" है, जो उन लोगों के लिए उपयोगी है जिनकी आवाज न्यूरल डिसऑर्डर के कारण स्पष्ट नहीं होती। इस बीमारी में आवाज कर्कश, बहुत धीमी या अस्पष्ट हो जाती है। यह एप ऐसी आवाज को प्रोसेस करके उसे साफ और स्पष्ट बना देता है। खराब इनपुट मिलने पर भी यह एप साफ और समझ में आने वाला आउटपुट देता है। विनीत गांधी के अनुसार यह एप केवल आवाज सुधारने का

यह तकनीक आईआईआईटी हैदराबाद में कंप्यूटर साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर और अजमेर निवासी विनीत गांधी ने विकसित की है

माध्यम नहीं है, बल्कि यह लोगों का आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करता है। इसके जरिए लोग अपने परिवार, दोस्तों और समाज से बिना झिझक के जुड़ सकते हैं।
फिलहाल ये दोनों एप अंग्रेजी में बेहतर तरीके से काम कर रहे हैं। आने वाले समय में इन्हें हिंदी सहित देश की कई क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने की योजना है। इसके लिए नेशनल रिसर्च फाउंडेशन ने तीन साल की फंडिंग दी है। यह शोध प्रतिष्ठित सीएचआई कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया जा चुका है और जल्द ही स्पेन के बार्सिलोना में होने वाली अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में इसका प्रदर्शन किया जाएगा।

एआई तकनीक से लैस स्मार्ट चश्मा दृष्टिहीनों के लिए बनेगा सहारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। जयपुर में आयोजित एक मेडिकल कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने आंखों से जुड़ी नई तकनीकों और नियमित जांच के महत्व पर जोर दिया। कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया गया कि अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित स्मार्ट चश्मा दृष्टिहीन या कम दिखाई देने वाले लोगों के लिए बड़ी मदद साबित हो सकता है। यह चश्मा आसपास के माहौल को पहचानकर आवाज के माध्यम से व्यक्ति को जानकारी देगा।
एआई असिस्टेड इस स्मार्ट चश्मे में एक छोटा कैमरा, एआई आधारित सिस्टम और छोटे स्पीकर लगे होते हैं। कैमरा सामने मौजूद दृश्य को रिकॉर्ड करता है और एआई तकनीक उसकी पहचान कर लेती है। इसके बाद चश्मे में लगे स्पीकर के जरिए उपयोगकर्ता को बताया जाता है कि उसके सामने क्या मौजूद है। इस तरह यह तकनीक दृष्टिहीन लोगों को आसपास की स्थिति समझने में मदद करेगी। यह जानकारी ऑल इंडिया ऑफ्थेलमोलॉजिकल सोसायटी की ओर से सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित एक कॉन्फ्रेंस के दौरान डॉ. जीवन सिंह तितियाल ने दी। इस कार्यक्रम

में देश–विदेश से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने भाग लिया। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की कि बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को समय–समय पर आंखों की जांच जरूर करानी चाहिए, ताकि आंखों से जुड़ी बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके। कॉन्फ्रेंस के आयोजन सचिव डॉ. मुकेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सर्जिकल स्किल ट्रांसफर कोर्स के तहत सैकड़ों डॉक्टरों ने आंखों से संबंधित बीमारियों के इलाज की आधुनिक तकनीकों के बारे में सीखा। इसमें जांच में इस्तेमाल होने वाली एआई तकनीक पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में ग्लूकोमा, मायोपिया, रेटिना से जुड़ी समस्याएं, आंखों में लगने वाली चोट, डायबिटिक रेटिनोपैथी, आई ट्रॉमा, आंखों के संक्रमण और मोतियाबिंद सर्जरी जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की।

स्लीप गाइड : बुजुर्गों को लंबी नींद से ज्यादा जरूरी है गहरी नींद

इम्युनिटी बेहतर और बीपी व हार्मोन रहेंगे संतुलित

यूनिक समय, नई दिल्ली। बढ़ती उम्र में अच्छी नींद दवाई के जैसी है। इसमें भी लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने से ज्यादा जरूरी है गहरी नींद। यह बात नींद पर हुई कई रिसर्च में साबित हो चुकी है। अब सवाल यह है कि गहरी नींद आएगी कैसे? इसमें सोने से पहले बबल फुलाना, नमक के गुनगुने पानी में पैर रखकर बैठने जैसे तरीके मदद करेंगे। अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन की रिसर्च कहती है अच्छी नींद के दौरान शरीर खुद को रिपेयर करता है। याददाश्त मजबूत, इम्युनिटी बेहतर होती है। इन परेशानियों को नजरअंदाज न करें, डॉक्टर से मिलें
नीचे दी परेशानियों में से यदि 2-3 लगातार 2-3 हफ्ते या उससे ज्यादा समय से हों रही हैं तो नींद विशेषज्ञ या जनरल फिजिशियन से मिलें।

बबल फुलाएं, गुनगुने पानी में पैर डुबोएं, नींद अच्छी आएगी

रात के वक्त सोने में देर लगना: 30-60 मिनट या उससे ज्यादा समय लगना। रात में 3-4 बार उठना और फिर नींद न आना।
जोर से खर्राटे और सांस रुकना: स्लीप एप्निया, ये अटैक का खतरा बढ़ाता है। पैरों में दर्द या अकड़न रेस्टलेस लेग सिंड्रोम।
चिंता या पुरानी यादों से परेशानी: दिमाग का लंबे समय तक शांत नहीं होना रात 2–3 बजे उठकर फिर से नहीं सो पाना।

ये 5 तरीके आपको गहरी नींद लाने में करेंगे मदद

एक रूटीन बनाएं: सोने-उठने का समय रोज एक रखें। रात में चाय-कॉफी से बचें।
तरीका: खासकर सोने के लिए अलार्म लगाएं। जैसे रात 10 बजे। वहीं रोज सुबह बिना अलार्म उठने के लिए माइंडसेट करें।
बबल ब्लोइंग: सोने से पहले बुलबुले फुलाने से अनिद्रा दूर होती है।
तरीका: बिस्तर या कुर्सी पर बैठें। बबल मेकर लें। नाक से 4 सेकंड सांस लें, फिर मुंह से 8-10 सेकंड धीरे-धीरे सांस बाहर फूंकें। इसे 5 से 8 बार दोहराएं।
पैर डुबोएं: गुनगुने पानी से पैरासिम्पैथेटिक नर्व सक्रिय होते हैं। नींद अच्छी आती है। है।
तरीका: बाल्टी में गुनगुना पानी लें। 1 से 2 चम्मच नमक डालें। सोने से 15–20 मिनट पहले 10 मिनट तक पैर डुबोएं।
सोने का माहौल बनाएं: कमरा अंधेरा, मन शांत व तापमान सेहत अनुकूल रखें।
तरीका: पर्दे बंद करें, फोन को 'नाइट मोड' पर डालें। बेडरूम सिर्फ सोने के लिए यूज करें। सोने से पहले टीवी न देखें।
दिनचर्या : सुबह 20 मिनट वॉक या योग, शाम को सैर करें। रात में हल्का भोजन लें। तरीका: एकाग्र होकर वॉक करें। डाइट में रात में दलिया, खिचड़ी जैसा खाना खाएं। बिना छिलके के भीगे बादाम, गुनगुना दूध लें।

मीठे और प्राकृतिक केले की पहचान कैसे करें

यूनिक समय, नई दिल्ली। केला ऊर्जा और पोषक तत्वों से भरपूर फल है, लेकिन यह तभी फायदेमंद होता है जब वह प्राकृतिक तरीके से पका हुआ हो। बाजार में कई बार केले को केमिकल से पकाया जाता है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए केला खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।
सबसे पहले केले के रंग को देखें। बहुत ज्यादा चटक पीले रंग की बजाय हल्के गहरे पीले रंग का केला चुनें। इसके अलावा डंठल का रंग भी पहचान में मदद करता है। अगर डंठल हल्का

पीला, भूरा या काला है तो केला प्राकृतिक रूप से पका होता है, जबकि हरा डंठल केमिकल से पकाए जाने का संकेत हो सकता है। साथ ही केला हल्का मुलायम होना चाहिए और उसमें मीठी ताजी खुशबू आनी चाहिए। छिलके पर छोटे भूरे या काले धब्बे भी पूरी तरह पके और मीठे केले की निशानी होते हैं।

सुविचार

जो समय की कदर करता है, वही आगे निकलता।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	09:23-08:25 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	शतभिषा	06:22-06:09 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		06:37 AM	चन्द्रोदय	05:20 AM
सूर्यास्त		06:32 PM	चंद्रास्त	05:05 PM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त	12:12PM -12:59 PM		ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	03:34PM:05:03PM		वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

संस्कारों से भरी गरुड़ पुराण की ये बातें

जीने का सिखाती हैं सही तरीका

यूनिक समय, मथुरा। गरुड़ पुराण हिंदू धर्म के अठारह पुराणों में से एक है, इसमें जीवन, मृत्यु और आत्मा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यताओं के अनुसार, यह पुराण भगवान विष्णु और उनके वाहन गरुड़ के बीच का संवाद है, जिसमें विशेषतौर पर मृत्यु के बाद के सच का वर्णन किया गया है। गरुड़ पुराण में कर्म और भक्ति से जुड़ी शिक्षाएं भी दी गई हैं, जो मनुष्य के जीवन को सही रास्ता दिखा सकती है। इस पुराण में बताया गया सच मनुष्य को मृत्यु के बाद के भयानक संसार की सच्चाई से साक्षातकार करा देता है।

गरुड़ पुराण में हमें कर्म, भक्ति और सही आचरण के बारे में महत्वपूर्ण बातों का विस्तार से वर्णन मिलता है। ये बातें हमारे जीवन को सही दिशा में ले जाने में काफी मददगार साबित होती है। यह ग्रंथ न केवल धार्मिक रूप से, बल्कि मानसिक और आत्मिक शांति के लिए भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।तो आइए भगवताचार्य पंडित राघवेंद्र शास्त्री से उन बातों के बारे में विस्तार से जानते हैं जो कि मनुष्य के जीवन में उसे सूझ–बूझदार व उन्नति के लिए काफी उपयोगी मानी जा सकती है। इससे आपको जीवन में सफलताएं हासिल करने में मदद मिल सकती है।

सच्चाई का साथ दें : गरुड़ पुराण हमें सिखाता है कि सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन सच्चाई के मार्ग पर चलने वाले की कभी हार नहीं होती है और सच्चाई का साथ देने से न केवल आत्मबल बढ़ता है बल्कि जीवन की उलझनें भी कम होती है।

अच्छे कर्म करें : गरुड़ पुराण के अनुसार हर कर्म का फल निश्चित है इसलिए सदैव सच के मार्ग पर चलें किसी का दिल न दुखाएं और अपने हर कर्म में ईमानदारी रखें, यही सच्चा धर्म है।

धन का अर्थ समझें : गरुड़ पुराण कहता है कि व्यक्ति द्वारा धन का सदुपयोग जीवन को स्वर्ग बना सकता है और दुरुपयोग नरक की ओर ले जाता है। धन का प्रयोग समाज सेवा, परोपकार और अच्छे कार्यों में करना ही शुभ होता है।

परिवार का महत्व : पारिवारिक रिश्ते केवल सामाजिक बंधन नहीं है बल्कि एक जुड़ाव होते हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार परिवार और रिश्तों में हमेशा सम्मान, प्रेम और सेवा बनाए रखनी चाहिए। ऐसा करने से ईश्वर प्रसन्न होते है।

कर्म और भक्ति : केवल भक्ति या केवल कर्म जीवन का संतुलन नहीं बना सकते। गरुड़ पुराण दोनों के बीच समानता की बात करता है। भक्ति से मन शांत होता है और कर्म से संसार चलता है इसलिए दोनों के बीच समानता बनाना जरूरी होता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

आत्मा की पवित्रता : गरुड़ पुराण कहता है कि आत्मा की पवित्रता सबसे आवश्यक है। जिस व्यक्ति के विचार और बुद्धि पवित्र नहीं है उसके बाहर की सुंदरता भी किसी काम नहीं आती। मनुष्य के अच्छे कर्म और विचार ही सर्वश्रेष्ठ होते हैं।

माया से मुक्ति : गरुड़ पुराण में इस बात को चेतावनी के रूप में बताया गया है कि व्यक्ति को संसार के भौतिक आकर्षणों में उलझ कर आत्मज्ञान से दूर नहीं होना चाहिए, क्योंकि ध्यान, साधना और आत्म–चिंतन ही मोक्ष का एकमात्र रास्ता है।

मृत्यु के बाद का जीवन : गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद आत्मा की यात्रा और कर्मों के फल की विस्तृत चर्चा है। यह सिखाता है कि मृत्यु के बाद भी मनुष्य का कर्म उसका पीछा नहीं छोड़ता। इसलिए जीवन को ऐसे जिएं कि अंत समय में आपको पछताना ना पड़े।

घर में करें ये वास्तु बदलाव, तरक्की के खुलेंगे द्वार

यूनिक समय, नई दिल्ली। वास्तु शास्त्र प्राचीन एक भारतीय वास्तुकला का एक विज्ञान है, जो घर में ऊर्जा को बैलेंस करता है। अगर किसी स्थान का निर्माण वास्तु नियमों के अनुसार होता है, तो वहां रहने वाले लोगों के जीवन में सुख–शांति, स्वास्थ्य, धन और समृद्धि बनी रहती है। वहीं अगर वास्तु के नियमों का ध्यान न रखा जाए और उससे जुड़ी गलतियां घर में हों तो इसका नेगेटिव असर देखने को मिलता है। ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्री रवि पाराशर के अनुसार, कुछ आसान से वास्तु टिप्स अपनाकर आप अपने घर के वास्तु दोषों को दूर कर सकते हैं और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। आइए जानते हैं उसके बारे में।

पौधों का उपयोग: घर के अंदर और बाहर हरे–भरे पौधे लगाएं। तुलसी का पौधा विशेष रूप से शुभ माना जाता है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है।

साफ–सफाई: घर को हमेशा साफ–सुथरा और व्यवस्थित रखें। गंदगी और अव्यवस्था नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है।

पानी का स्रोत: अगर घर में फव्वारा या छोटा तालाब है, तो उसे उत्तर–पूर्व दिशा में रखें। इससे धन और सुख–शांति में वृद्धि होती है।

दीवारों का रंग: हल्के रंग जैसे नीला, हरा या पीला रंग मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ाते हैं। इन्हें घर की दीवारों पर प्रयोग करें।

रसोई की सही दिशा: रसोईघर दक्षिण–पूर्व दिशा में होना चाहिए। रसोई इस दिशा में होने से घर में प्रेम, खुशहाली और समृद्धि बनी रहती है।

घर के बीच का हिस्सा साफ रखें: घर के बीच का हिस्सा, जिसे ब्रह्मस्थान कहा जाता है, हमेशा खुला और साफ–सुथरा होना चाहिए। क्योंकि इससे ऊर्जा का प्रवाह बाधित होता है। पढ़ाई और काम की जगह उत्तर या पूर्व में रखें: पढ़ाई की मेज या वर्क डेस्क को उत्तर या पूर्व दिशा में रखें। इससे एकाग्रता बढ़ती है और शिक्षा व करियर में सफलता मिलती है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि: दिन सामान्य और व्यस्तता भरा रह सकता है। घर या परिवार से जुड़े कुछ काम अचानक बढ़ सकते हैं। मानसिक थकान या हल्का सिरदर्द महसूस हो सकता है, इसलिए आराम पर ध्यान दें।

वृषभ: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। व्यापार–धंधे में लाभ रहेगा और सामाजिक कार्यों में भाग लेने से सम्मान बढ़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए कार्य का शुभारंभ लाभकारी रहेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन: व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे। नौकरी में तरक्की के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लेन–देन में सावधानी रखें। परिवार के साथ समय आनंदपूर्ण बीतेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क: कल का दिन मिला–जुला रहेगा। कारोबार मध्यम चलेगा और थकान का अनुभव हो सकता है। सहकर्मियों को किसी बात की ठेस न पहुंचे इसका ध्यान रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

सिंह: व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा। कार्यभार अधिक रहेगा और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। यात्रा से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा और मानसिक शांति रहेगी।

कन्या: व्यापार और नौकरी में लाभ के योग हैं। आकस्मिक धनलाभ की संभावना है। परिवार और मित्रों के साथ समय अच्छा बीतेगा। धार्मिक और सामाजिक कार्य में भाग लेने से सम्मान बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है।

तुला: कार्यक्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ होगा। परंतु कार्यभार अधिक रहेगा। अनावश्यक खर्च से बचें। नकारात्मक विचारों से सावधान रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक: परिश्रम के बावजूद सभी कार्य सफल होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पुराने मित्रों से मिलेंगे और संतान–पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। धार्मिक और परोपकारी कार्य में भाग लें।

धनु: छोटी परेशानियों के बावजूद मेहनत से सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी। परिवार में अनबन हो सकती है। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें और अनावश्यक खर्च से बचें।

मकर: व्यापार अच्छा चलेगा और आकस्मिक लाभ संभव है। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। नौकरी में पदोन्नति हो सकती है। परिवार का माहौल अनुकूल रहेगा। धार्मिक यात्रा का आयोजन संभव है।

कुम्भ: कार्य की अधिकता रहेगी और मेहनत आवश्यक होगी। सफलता के बावजूद थकान महसूस होगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार में सुख–शांति बनाए रखें। विद्यार्थियों को अधिक मेहनत करनी होगी।

मीन: कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की संभावना है। नौकरी में तरक्की के योग हैं। सहकर्मियों की मदद से कार्य सफल होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परिवार और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

शोध में खुलासा: हनुमान चालीसा के पाठ से नहीं होगा हार्ट अटैक !

यूनिक समय, मथुरा। हनुमान चालीसा की महिमा अपरम्पार है। इसके जाप अथवा सुमिरन मात्र से ही व्यक्ति के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। कोई व्यक्ति यदि अपने घर में नित्य हनुमान चालीसा का पाठ करता है तो उसे अनेकों समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है।धार्मिक मान्यता के बाद अब विज्ञान भी इस बात को अपने शोध के आधार पर मानने लगा है। इसके सम्बन्ध में अनेकों प्रयोग भी किये गये हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

हनुमान चालीसा संकलन : हनुमान चालीसा में लगभग 40 छंद हैं। जिनमें से अधिकतर अनुष्टुप छंद में लिखे गये हैं। यानि कि यह लयबद्ध, रिपिटेटिव और मेडिटेटिव हैं। ये छंद बीटा वेव से अल्फा वेव तक ब्रेन फ्रीक्वेंसी शिफ्ट करते हैं। जिससे इंसान के मन और मष्तिक को शांति की अनुभूति देती है।

नियमित जप से लाभ : रामदूत अतुलित बलधामा जैसे मंत्र का ज़ब हम नियमित रूप से जाप करते हैं तो इसका ध्वनि कंपन हमारे शरीर में कोर्टिसोल यानि स्ट्रेस हार्मोन को कम करता है और सेरोटोनिन-डोपामीन बढ़ता है। इससे हमारे शरीर का शांति तंत्र पैरासिंपेथेटिक सिस्टम सक्रिय हो जाता है। जर्नल ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन के अध्ययन अनुसार मन्त्रों के उच्चारण से स्ट्रेस कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

ब्लड प्रेशर–अनिद्रा से भी होगा बचाव

नहीं होती हार्ट अटैक और अन्य बीमारी : आइसीएमआर और एम्स रिसर्च के अनुसार नित्य 10 मिनट तक हनुमान चालीसा का पाठ करने से हार्ट रेट कम करने, ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने एवं नींद में सुधार करने में मदद मिलती है। पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, इंजायटी और एडीएचडी डिसऑर्डर से भी राहत मिलती है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक : जर्नल ऑफ़ इवोल्यूशन ऑफ़ मेडिकल एंड डेंटल साइंसेज में मीरा गोयल और उनके सहयोगियों के शोध के अनुसार 18 से 22 वर्ष की 20 एमबीबीएस छात्रा को 10 मिनट का हनुमान चालीसा संगीत सुनाया और उनके ब्लड प्रेशर में कमी पाई गई।

हनुमान चालीसा की धार्मिक मान्यता : पौराणिक मान्यता है कि हनुमान चालीसा का नित्य पाठ करने से जीवन में संकट नहीं आते हैं। व्यक्ति अनावश्यक कलेश और बीमारी परेशानियों के अलावा सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियों से बच जाता है।

कलयुग में हनुमान जी सबसे सिद्ध और अमर देवता माने गये हैं। इनकी कृपा से ही इंसान को राम कृपा प्राप्त होती है।

सम्पादकीय

गांव की मेहनत, देश की छिपी हुई असली पूंजी

भारत के गांव केवल आंकड़ों की पंक्तियों में नाम नहीं हैं। ये देश की छिपी हुई शक्ति और अनुभव का असली खजाना हैं। लेकिन हम, अपनी "अद्भुत" राजनीतिक दूरदर्शिता के चलते, इन्हें कभी वोट की फसल समझते हैं, कभी दया का पात्र। और यही कारण है कि आजादी के इतने साल बाद भी कई गांवों में पानी, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं पहुंची। हां, जनसंख्या को बोझ माना गया, जबकि वही देश की सबसे बड़ी श्रमशक्ति और छिपी संपदा हो सकती थी।

गांवों की मेहनत और अनुभव को नजरअंदाज कर हमने शहरों में लोगों की भीड़ बढ़ा दी। अब वही लोग, जिनके हाथों में मिट्टी की खुशबू और खेतों की मेहनत थी, शहरों की ट्रैफिक जाम, धूल और भीड़ में उलझे हैं। मजाक देखिए तो यह है कि शहरों में हर तरफ भीड़ है, लेकिन श्रम का असली महत्व गायब है। वहीं, ग्रामीणों का योगदान शहर की अर्थव्यवस्था में छिपा रह गया– कौन पूछे?

पवन गौतम
संपादक

और अगर हम महिलाओं की नजर से देखें तो यह व्यंग्य और बढ़ जाता है। ग्रामीण महिलाएं पानी लाती हैं, लकड़ी इकट्ठा करती हैं, खेतों में काम करती हैं और घर का पूरा प्रबंधन संभालती हैं। शहरी महिलाओं की तरह ही, इनकी जिम्मेदारी भी दोहरी है–लेकिन इनकी मेहनत किसी सरकारी रिपोर्ट या बजट में नहीं दिखती। ऐसा लगता है जैसे ग्रामीण श्रम को "इकोनॉमी के अदृश्य हीरो" का टैग दिया गया हो।

गांव केवल कृषि का केंद्र नहीं है। यह सामाजिक संरचना, पारंपरिक ज्ञान, स्थानीय उत्पाद और जीवन प्रबंधन का खजाना है। लेकिन हमारी योजनाएं हमेशा "शहर और भीड़" के फोकस में रहीं। नतीजा? शहरों में ट्रैफिक, ओवरक्राउडेड ट्रेन, कॉल सेंटर और मॉल। गांव की मेहनत शहर की भीड़ में खो गई, और लोग अभी भी यह सोच रहे हैं कि विकास कहाँ गया?

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

असल में, गांव की मेहनत देश की छिपी हुई पूंजी है। इसे नजरअंदाज करना वैसा ही है जैसे सोने की खान देखकर उसे रेत समझना। अगर नीतियां सही हों, तो गांव केवल अपने लोगों के लिए ही नहीं, पूरे देश के लिए विकास का इंजन बन सकता है। वरना हम इसी तरह ग्रामीण श्रम की अनदेखी करते रहेंगे, शहरों में "समाधान खोजने" की कोशिश करते रहेंगे और हर चुनाव में गांव को वोट की फसल या दया का पात्र मानते रहेंगे। और हाँ, हम यही सोचते रहेंगे कि देश आगे बढ़ रहा है!

नजरिया

घरेलू जिम्मेदारियां है महिलाओं का असली योगदान

उमा व्यास

आज के समय में जब हम श्रम, रोजगार और आर्थिक विकास की बात करते हैं, अक्सर घरेलू कार्य को नजरअंदाज किया जाता है। कई लोग मानते हैं कि केवल वेतनभोगी रोजगार में शामिल न होने वाली महिलाएं "निष्क्रिय" हैं। लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने इस सोच को चुनौती दी है। न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा ने स्पष्ट किया कि गृहिणियों को केवल इसलिए निष्क्रिय या बेकार नहीं कहा जा सकता क्योंकि वे औपचारिक आर्थिक गतिविधियों में नहीं हैं। यह निर्णय सिर्फ कानूनी मामला नहीं है; यह हमारी सामाजिक और आर्थिक समझ को बदलने वाला संकेत है।

भारत में महिला श्रम भागीदारी की नवीनतम आंकड़े भी घरेलू कार्य के महत्व को उजागर करते हैं। आवधिक श्रम बल सर्वे 2024–25 के अनुसार महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 34-35 प्रतिशत है, जो कुछ वर्ष पूर्व की 23 प्रतिशत दर के मुकाबले महत्वपूर्ण वृद्धि है। हालांकि, यह वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण और स्व–रोजगार श्रेणी में केंद्रित है। शहरी क्षेत्रों में नियमित वेतनभोगी रोजगार में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित है। इसका तात्पर्य यह है कि बड़ी संख्या में महिलाएं घरेलू दायित्वों के कारण औपचारिक श्रम बाजार से बाहर हैं।

राष्ट्रीय समय उपयोग सर्वेक्षण बताता है कि महिलाएं औसतन पांच घंटे से अधिक समय घरेलू और देखभाल कार्य में व्यतीत करती हैं, जबकि पुरुष केवल डेढ़ घंटे के आसपास ही यह समय देते हैं। यह अंतर सांख्यिकीय विषमता मात्र नहीं है, बल्कि संरचनात्मक असमानता का संकेत है। राजस्थान जैसे शुष्क ग्रामीण क्षेत्रों में यह असमानता विशेष रूप से स्पष्ट दिखाई देती है। महिलाओं को दूरस्थ स्रोतों से पानी लाना, ईंधन के लिए लकड़ी इकट्ठा करना, पशुपालन, बुवाई और कटाई जैसे श्रमसाध्य कार्य करने पड़ते हैं। इन कार्यों का औपचारिक आर्थिक गणना में परिलक्षित न होना इस असमानता को और गहरा करता है।

शहरी क्षेत्रों में घरेलू और देखभाल कार्य का स्वरूप भिन्न है, लेकिन जिम्मेदारी महिलाओं पर अधिक रहती है। शहरों में महिलाएं औपचारिक रोजगार के बाद घर के अधिकांश देखभाल कार्यों की जिम्मेदारी निभाती हैं। बच्चों की शिक्षा, वृद्धों की देखभाल, परिवार का आर्थिक प्रबंधन–यह सब उनके दैनिक जीवन का हिस्सा है। इस प्रकार ग्रामीण और शहरी दोनों संदर्भों में घरेलू और देखभाल श्रम का मुख्य भार महिलाओं पर ही केंद्रित है।

अर्थशास्त्र में इसे पुनरुत्पादक श्रम कहा जाता है। महिलाएं केवल बच्चों का पालन–पोषण नहीं करतीं, बल्कि कार्यशील आयु वर्ग को भोजन और देखभाल उपलब्ध कराकर उन्हें अर्थव्यवस्था में सक्रिय रहने में सक्षम बनाती हैं। वे बाल पीढ़ी, कार्यशील जनसंख्या और वरिष्ठ नागरिकों के बीच जीवन चक्र को जोड़ने वाली कड़ी हैं।

घरेलू कार्य को केवल निजी जिम्मेदारी मानने वाली पुरानी सोच अब चुनौती के सामने है। जब तक इस श्रम को औपचारिक मान्यता और नीति समर्थन नहीं मिलेगा, तब तक लैंगिक समानता अधूरी रहेगी। नीति निर्माताओं और समाज को यह समझना होगा कि घर का प्रबंधन केवल घरेलू जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से सक्रिय योगदान है।

ग्रामीण क्षेत्र की उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि महिलाएं कितनी मेहनत और समय घरेलू और कृषि संबंधी कार्यों में लगाती हैं। कई गांवों में पानी और ईंधन जुटाने के लिए दूर–दूर तक जाना पड़ता है। इसके अलावा पशुपालन, खेत की देखभाल और घरेलू उत्पादन जैसे कार्यों में उनका योगदान सीधे तौर पर परिवार की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से जुड़ा होता है।

शहरी क्षेत्र में स्थिति थोड़ी अलग है। शहरों में महिलाएं अक्सर औपचारिक रोजगार करती हैं, लेकिन घर के अंदर देखभाल और प्रबंधन की जिम्मेदारी उन्हें ही निभानी पड़ती है। ऑफिस से लौटने के बाद बच्चों की शिक्षा, भोजन, घरेलू सफाई और वृद्धों की देखभाल–ये सभी कार्य उनके कंधों पर होते हैं। कई बार महिलाएं बाहरी रोजगार और घरेलू जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से थक जाती हैं।

इसके अलावा, समाज में घरेलू श्रम की कीमत को अक्सर कम आंकते हैं। यह मान्यता है कि यदि कोई वेतन नहीं ले रहा तो उसका कार्य मूल्यहीन है। लेकिन वास्तविकता यह है कि महिलाएं घर के भीतर और बाहर दोनों जगह आर्थिक योगदान करती हैं। उनकी मेहनत न केवल परिवार के कल्याण में महत्वपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी अप्रत्यक्ष योगदान देती है।

इस विषय पर ध्यान देने की आवश्यकता है कि महिलाओं का घरेलू श्रम केवल बच्चों की देखभाल तक सीमित नहीं है। वे घर का बजट संभालती हैं, भोजन की योजना बनाती हैं, परिवार की स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखती हैं। वृद्धजन और बच्चों के बीच जीवन चक्र को बनाए रखने में उनका योगदान अनमोल है।

दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इस दृष्टिकोण को न्यायिक मान्यता देती है। यह स्पष्ट करती है कि घरेलू श्रम को निष्क्रियता नहीं कहा जा सकता। घर का प्रबंधन और देखभाल सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से सक्रिय भूमिका है। इसके बिना परिवार और समाज का संतुलन बनाए रखना मुश्किल है।

समाज और शासन को अब इस संकेत को ठोस संरचनात्मक परिवर्तन में बदलना होगा। घरेलू श्रम की मान्यता, महिला श्रम के आंकड़ों में इसकी सही परिलक्षितता और नीति आधारित समर्थन ही लैंगिक समानता को सशक्त बना सकते हैं। इसके अलावा, शिक्षा और जनजागरूकता के माध्यम से पुरुषों को भी घरेलू जिम्मेदारियों में शामिल करना जरूरी है, ताकि यह असमानता धीरे-धीरे कम हो।

अंततः, घरेलू और देखभाल श्रम महिलाओं के लिए केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था में सक्रिय योगदान का प्रतीक है। इसे समझना और मान्यता देना न केवल महिलाओं के अधिकारों का सवाल है, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

विचार विण्डो

चीन का जातीय कानून और मानवता के विकास का सवाल

मुकेश कुमार भूषण

आज के वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रश्न बार–बार उठता है–क्या किसी देश की मजबूती और विकास के लिए सांस्कृतिक विविधता को त्यागना आवश्यक है? और यदि ऐसा हो भी, तो क्या इसे 'जातीय एकता' के नाम पर बलपूर्वक लागू करना बुद्धिमानी है? चीन में हाल ही में पारित 'जातीय एकता' कानून इस सवाल को सीधे तौर पर हमारे सामने रखता है।

चीन में कुल 56 जातीय समूह हैं, जिनमें हान आबादी 91 फीसदी से अधिक है। बाकी 55 अल्पसंख्यक समूह (जैसे तिब्बती, उइगर, मंगोल, हुई, मांचू आदि) देश के लगभग आधे भू–भाग में रहते हैं, और ये क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से भरे हुए हैं। यह कोई नया तथ्य नहीं है कि अल्पसंख्यक समूहों की भाषा, संस्कृति और जीवनशैली चीन के विकास में अलग नजर आती है। लेकिन नया कानून इन समुदायों को उनकी विशिष्ट पहचान छोड़कर हान जीवनशैली अपनाने के लिए मजबूर करता है। स्कूली बच्चों के लिए मंदारिन भाषा में शिक्षा अनिवार्य कर दी गई है, जबकि पहले वे अपनी मातृभाषा में पढ़ते थे। माता–पिता पर भी मुकदमे की धमकी दी गई है, अगर वे 'हान संस्कृति के अनुरूप' शिक्षा के खिलाफ जाएं।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यह नीति स्पष्ट रूप से अल्पसंख्यकों का 'चीनीकरण' है–तिब्बत, शिनजियांग और इनर मंगोलिया जैसे क्षेत्रों में अधिकारों और स्वतंत्रता पर कठोर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। तिब्बत में सरकारी नियंत्रण के तहत मठों को अधीन किया गया और हजारों बौद्ध भिक्षुओं को गिरफ्तार किया गया। उइगर मुस्लिमों को बुनियादी अधिकारों से वंचित किया गया और करीब 10 लाख लोगों की गिरफ्तारी हुई।

इस कानून की सबसे बड़ी चिंता केवल मानवाधिकारों तक सीमित नहीं है। सवाल यह है कि क्या मशीनी विकास और 'एकरूप समाज' किसी भी कीमत पर मानवता और सभ्यता की मूल पहचान को कुचल सकता है? चीन की नीति बताती है कि विकास का मॉडल केवल आर्थिक और भौतिक प्रगति तक सीमित नहीं होना चाहिए। जब किसी समाज के सांस्कृतिक और भाषाई अधिकारों पर लगातार नियंत्रण रखा जाए, तो उसका प्रभाव केवल अल्पसंख्यकों तक नहीं, बल्कि पूरे देश की मानसिकता और सामाजिक ताने–बाने पर पड़ता है।

इतिहास हमें बार–बार यही सिखाता है कि जब मानव सभ्यता में विविधता को दबाया गया, तो अस्थिरता और विद्रोह अनिवार्य रूप से उभरे।

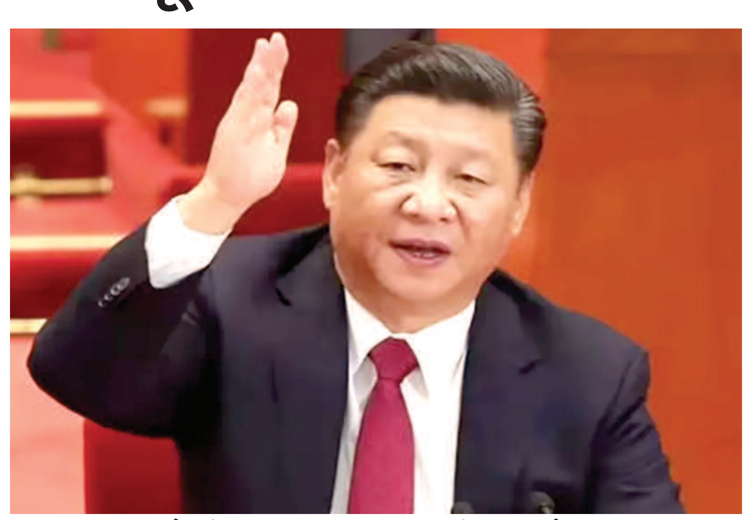

अल्पसंख्यक समुदायों की आवाज दबाना, उनकी पहचान छीनना और उन्हें बहुसंख्यक संस्कृति में ढालना केवल सत्ता की शक्ति को अस्थायी रूप से दिखा सकता है, लेकिन यह स्थायी विकास और समग्र मानव प्रगति का मार्ग नहीं है।

विकास के नाम पर सांस्कृतिक अस्मिता को कुचलने की नीति केवल 'मशीनी विकास' देती है। आर्थिक आंकड़े बढ़ सकते हैं, शहर चमक सकते हैं, उत्पादन बढ़ सकता है, लेकिन इंसान की चेतना, समाज की जटिलता और भविष्य की संभावनाओं का मूल्य मिट जाएगा। असल मानव विकास में केवल जीडीपी और औद्योगिक आंकड़े नहीं, बल्कि लोगों की जीवनशैली, भाषा, परंपरा और सामाजिक संबंध भी शामिल हैं।

भारत जैसे देशों के लिए यह मामला और भी महत्वपूर्ण बन जाता है। हमारे देश की मजबूती 'विविधता में एकता' के सिद्धांत पर आधारित है।

भाषाएं, धर्म, संस्कृति और परंपरा हमारे लोकतंत्र की आत्मा हैं। चीन की नीति यह सवाल खड़ा करती है कि क्या एकरूप समाज को लेकर चलना लंबे समय में स्थायी प्रगति के लिए सही है या नहीं।

व्यंग्य यह भी है कि चीन, दुनिया का नया 'दादा' बनने के लिए तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसी दौड़ में उसने अपनी सभ्यता और सामाजिक ताने–बाने के सबसे नाजुक हिस्से को कुचलना शुरू कर दिया है। संसाधनों और क्षेत्रीय प्रभुत्व की दौड़ में उसने मानवाधिकारों और अल्पसंख्यक समुदायों की पहचान को नजरअंदाज कर दिया है। यह केवल चीन की आंतरिक चुनौती नहीं है; यह वैश्विक समाज के लिए भी चेतावनी है कि विकास और ताकत केवल शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखने से संभव है।

अंततः, मानव सभ्यता का इतिहास यह सिखाता है कि जब किसी समाज में विविधता को दबाया गया, तो विद्रोह, असंतोष और सामाजिक तनाव बढ़ा। चीन का नया कानून अल्पसंख्यकों की पहचान और अधिकारों को दबा रहा है। लेकिन क्या यही वह रास्ता है जिससे किसी देश को स्थायी और समग्र विकास मिलेगा? या यह केवल आंकड़ों और आर्थिक संकेतकों पर आधारित 'सूखा विकास' है?

आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च को

ओपनिंग मैच आरसीबी और एसआरएच के बीच होगा

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जायेगा पहला मैच

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का पहला मैच 28 मार्च को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच खेला जाएगा। इस मैच के आयोजन को लेकर कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को कर्नाटक सरकार से अंतिम मंजूरी मिल गई है।

आईपीएल 2026 के ओपनिंग मैच की मेजबानी को लेकर पहले अनिश्चितता बनी हुई थी। आईपीएल 2025 में आरसीबी की जीत के बाद हुए विक्ट्री परेड में भगदड़ मची थी, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर पर सवाल उठे थे। जस्टिस डी'कुन्हा कमेटी ने सुरक्षा सुधारों को लेकर कई सुझाव दिए थे। केएससीए को 15 मार्च तक सभी जरूरी सुधार पूरे करने का समय दिया गया था, और एसोसिएशन ने सभी निर्देशों का पालन कर लिया। इसी वजह से अब उन्हें आईपीएल मैच आयोजित करने की अनुमति मिल गई।

चिन्नास्वामी स्टेडियम आईपीएल 2026 में केवल ओपनिंग मैच का ही स्थल नहीं होगा। बीसीसीआई द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, 5 अप्रैल को आरसीबी और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला भी यहीं खेला जाएगा। आईपीएल 2026 में आरसीबी कुल पांच मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। इसके अतिरिक्त टीम के दो घरेलू मुकाबले रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में आयोजित होंगे। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तारीखों के कारण बाकी मैचों का शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा। आरसीबी की कप्तानी रजत पाटीदार करेंगे, जिन्होंने आईपीएल 2025 में टीम को 18 साल बाद पहला खिताब जितवाया था। इस बार भी उनका नेतृत्व टीम को खिताब डिफेंड करने में मदद करेगा। आईपीएल 2026 में आरसीबी का प्रदर्शन इस बार बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पिछले साल की जीत के बाद उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

केएससीए और आरसीबी के लिए यह मैच सुरक्षा और आयोजन के दृष्टिकोण से भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। फैंस के लिए यह उत्साहजनक खबर है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के बाद आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला खेला जाएगा। इस तरह, आईपीएल का आगाज 28 मार्च को आरसीबी और एसआरएच के बीच चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा और टूर्नामेंट का रोमांच फैंस के लिए शुरू हो जाएगा।

संदीप भैया की मौत ने मोड़ा 'एस्पिरेंट्स 3' का किस्सा

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवीएफ की चर्चित फ्रैंचाइजी 'एस्पिरेंट्स' का तीसरा सीजन तीन साल के इंतजार के बाद 12 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ और दर्शकों के बीच तहलका मचा दिया। इस सीजन में नवीन कस्तूरिया (अभिलाष शर्मा), शिवांकित सिंह परिहार (गुरी) और अभिलाष थपलियाल (एसके) की तिकड़ी नए भावनात्मक द्वंद्व और चुनौतियों के साथ लौट आई। कुल पांच एपिसोड में कहानी दोस्ती, व्यक्तिगत संघर्ष और जीवन बदल देने वाले फैसलों के बीच आगे बढ़ती है। सीजन 3 के क्लाइमैक्स में सबसे बड़ा

झटका तब आया जब खुशियों के बीच अभिलाष की सगाई के दौरान ब्रेकिंग न्यूज में पता चलता है कि लेबर कमिश्नर संदीप ओहलान उर्फ संदीप भैया की हत्या कर दी गई। यह घटना न केवल अभिलाष और उसके दोस्तों को झकझोर देती है, बल्कि लाखों प्रशंसकों को भी सदमे में डाल देती है। संदीप भैया की मौत के बाद कहानी एक इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर में बदल जाती है। सरकार इस हाई–प्रोफाइल मर्डर केस की जांच अभिलाष को सौंपती है। यह उनके लिए सिर्फ सरकारी ड्यूटी नहीं, बल्कि गुरु और मित्र को इंसाफ दिलाने की व्यक्तिगत लड़ाई बन जाती है। संदीप भैया के दुखद अंत ने फैंस को भावुक कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीजन 4 में सनी हिंदुजा फ्लैशबैक दृश्यों के माध्यम से लौट सकते हैं। इन दृश्यों के जरिए उनके किरदार की यादें और विरासत दिखेगी, जो अभिलाष को हत्यारों तक पहुंचने में मदद कर सकती है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में छह बॉल पर छह छक्के

क्रिकेट फैंस के लिए यादगार कारनामा

छह बॉल पर छक्के लगाने का रिकॉर्ड सबसे पहले साउथ अफ्रीका के हर्षल गिब्स ने बनाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। युवराज सिंह के छह बॉल पर छह छक्के लगाने का कारनामा क्रिकेट फैंस के लिए यादगार है। यह उन्होंने 2007 के टी20 विश्व कप में किया था, जब इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर की छह गेंदों पर लगातार छक्के लगाए। हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में यह पहला मौका नहीं था।

इंटरनेशनल क्रिकेट में छह बॉल पर छक्के लगाने का रिकॉर्ड सबसे पहले साउथ अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हर्षल गिब्स ने बनाया। यह कारनामा उन्होंने 15 मार्च 2007 को वनडे विश्व कप में साउथ अफ्रीका और नीदरलैंड्स के बीच मैच में किया। गिब्स ने नीदरलैंड्स के लेग स्पिनर डान वैन बुंगे के ओवर की छह गेंदों पर लगातार छक्के जड़ दिए। यह पारी का 30वां ओवर था और इस कारनामे ने क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया।

उसी साल 2007 में युवराज सिंह ने टी20 विश्व कप में यह रिकॉर्ड दोहराया। उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर की छह गेंदों पर लगातार छक्के मारे। यह टी20 विश्व कप का पहला ही मुकाबला था और इस प्रदर्शन ने युवराज को क्रिकेट इतिहास में खास मुकाम दिलाया। इस प्रकार, इंटरनेशनल क्रिकेट में छह बॉल पर लगातार छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज हर्षल गिब्स थे, जबकि युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में यह कारनामा किया। आज यह ऐतिहासिक घटना 19 साल पूरी कर चुकी है। उसके बाद कई बल्लेबाजों ने यह रिकॉर्ड दोहराया, लेकिन हर्षल गिब्स और युवराज सिंह का नाम हमेशा याद किया जाएगा।

साउथ की सस्पेंस–थ्रिलर 'तत्सम तद्भव', ओटीटी पर धमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ की फिल्म 'तत्सम तद्भव' अपने सस्पेंस और थ्रिलर के लिए दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय है। मूल रूप से कन्नड़ भाषा में बनी यह फिल्म साल 2023 में रिलीज हुई थी और कन्नड़ सिनेमा की टॉप–10 कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल रही। विशाल आत्रेय द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म में मेघना राज और प्रज्वल देवराज मुख्य भूमिका में हैं। आईएमडीबी पर इसे 7.5 की शानदार रेटिंग मिली है। फिल्म की लंबाई करीब 2 घंटे 2 मिनट है और इसे व/अ सर्टिफिकेट मिला है।

फिल्म की शुरुआत एक साधारण मिसिंग केस से होती है, जो धीरे-धीरे जटिल मर्डर मिस्ट्री में बदल जाता है। कहानी का सबसे बड़ा मोड़ तब आता है जब एक लाश घर के पुराने बक्से में मिलती है। निर्देशक ने जांच और पात्रों के बीच के तनाव को इस कदर पेश किया है कि दर्शक अंत तक झुके रहते हैं। अंत में हत्यारे का चेहरा सामने आने पर हर कोई दंग रह जाता है। 'तत्सम तद्भव' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। इसे आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं और यूट्यूब पर भी मुफ्त में स्ट्रीम कर सकते हैं। यह फिल्म थ्रिल और रहस्य का पूरा अनुभव देती है।

सृति झा–शब्बीर अहलूवालिया की वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी की सबसे पसंदीदा जोड़ी सृति झा और शब्बीर अहलूवालिया लंबे समय बाद शो 'तुम देना साथ मेरा' में एक साथ नजर आने जा रहे हैं। दोनों अपराजिता और रक्षित के किरदार में वापसी कर रहे हैं, जिनकी पिछली ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। फैंस उनकी जोड़ी को सालों से बेहद पसंद करते आ रहे हैं और उनकी वापसी को लेकर उत्साह चरम पर है। शो का पहला प्रोमो एक अचानक हुई मुलाकात और इमोशनल बातचीत दिखाता है। इसमें रक्षित अपराजिता से पूछता है कि वह इतनी जल्दी में क्यों है, और अपराजिता बताती है कि कभी–कभी लोग जल्दी में नहीं होते क्योंकि उन्हें कहीं पहुंचना होता है, बल्कि इसलिए होते हैं क्योंकि उन्हें कहीं से दूर जाना होता है। यह छोटा सा पल दोनों किरदारों के बीच गहरी भावनात्मक कड़ी स्थापित करता है और दर्शकों को भावनात्मक सफर का अहसास कराता है। सृति और शब्बीर की वापसी से शो की टीआरपी में बढ़ोतरी की उम्मीद है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बॉलीवुड की फिल्मों को बताया फर्जी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के बहुप्रशंसित अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री की वर्तमान स्थिति पर तीखा प्रहार किया है। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आजकल बॉलीवुड में 'झूठी' और 'फेक' फिल्में बन रही हैं, जो समाज को सही दिशा नहीं दिखातीं। नवाजुद्दीन ने जोर देकर कहा कि फिल्मकारों को समाज के प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए और नैतिक में सच्चाई को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दर्शक आज जागरूक हैं और पर्दे पर दिखाई जाने वाली कहानियों की हकीकत को समझते हैं। भू-राजनीतिक घटनाओं और वैश्विक घटनाक्रमों का हवाला देते हुए उन्होंने चेताया कि लोग जानते हैं कि किस तरह से कहानियों को मरोड़ा जा रहा है।

'बैटल ऑफ गलवान' का नाम बदलकर 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' हुआ

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का नाम बदलकर अब आधिकारिक रूप से 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' कर दिया गया है। मेकर्स ने इसका नया पोस्टर भी जारी किया, जिसे सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया। पोस्टर में सलमान का आधा चेहरा खून से लथपथ दिखाई दे रहा है, जिससे फिल्म की गंभीर और प्रभावशाली थ्रिलिंग झलक मिलती है।

फिल्म के नए शीर्षक के साथ टैगलाइन 'मे वॉर रेस्ट इन पीस' है, जो युद्ध के अंत और शांति का संदेश देती है। यह केवल रणभूमि और वीरता तक सीमित नहीं, बल्कि मानवता और देशभक्ति के भावों को भी उजागर करती है। मेकर्स का उद्देश्य दर्शकों को युद्ध के विनाश और शांति की अनिवार्यता की याद दिलाना है। फिल्म गलवान घाटी की वास्तविक घटना पर आधारित है। हालांकि नाम में बदलाव यह संकेत देता है कि फिल्म सिर्फ सैन्य संघर्ष तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें मानवीय संवेदनाओं और भावनात्मक गहराई को भी दिखाया जाएगा। इस साहसी कदम को फैंस ने इंटरनेट पर सराहा और नए टाइटल की गहराई की तारीफ की। ट्रेड एनालिस्ट्स मानते हैं कि फिल्म राष्ट्रप्रेम के साथ–साथ मानवता के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगी। इस फिल्म में सलमान खान की जोड़ी पहली बार चित्रांगदा सिंह के साथ नजर आएगी। दोनों पर्दे पर रोमांस करते दिखाई देंगे। इससे पहले सलमान ने 'सिकंदर' में काम किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पायी थी। अब 'मातृभूमि' से दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। फिल्म के नए टाइटल और पोस्टर ने इसे रिलीज से पहले ही चर्चा में ला दिया है और फैंस इसे बड़े उत्साह के साथ देखने के लिए तैयार हैं।

'धुरंधर 2' एडवांस बुकिंग में तोड़ रही रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित स्पाई थ्रिलर 'धुरंधर 2' एडवांस बुकिंग में इतिहास रच रही है। 19 मार्च को रिलीज होने वाली इस फिल्म ने वैश्विक प्री–सेल्स में 120 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। रणवीर सिंह के दमदार अभिनय और दमदार स्टार कास्ट के कारण फिल्म पहले ही बॉक्स ऑफिस पर सुनामी लाने के मूड में दिख रही है।

फिल्म के पेड प्रीव्यू शो 18 मार्च की शाम से शुरू होंगे। घरेलू बाजार में प्रीव्यू शो से फिल्म ने 32.44 करोड़ की कमाई की है, जो किसी भारतीय फिल्म के लिए सबसे बड़े प्रीमियर का रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड पहले पवन कल्याण की फिल्म 'ॅं' के नाम था, जिसने 25 करोड़ का बिजनेस किया था। जानकारों का अनुमान है कि प्रीव्यू शो की कमाई बुधवार तक 40 करोड़ के पार पहुंच सकती है। 'धुरंधर 2' का जादू विदेशों में भी चल रहा है। नॉर्थ अमेरिका में फिल्म ने प्री–सेल्स में 5 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया, जो 'पठान', 'आरआरआर' और 'बाहुबली 2' से अधिक है। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और सारा अर्जुन हैं। पहले भाग के विलेन अक्षय खन्ना का कैमियो भी चर्चा में है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिल्म वैश्विक स्तर पर 2000 करोड़ तक कमाई कर 'दंगल' को पछाड़ सकती है। कुल मिलाकर एडवांस बुकिंग और जबरदस्त बज से यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए नया मील का पत्थर साबित हो सकती है।

'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने ऑस्कर में बनाया इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। 98वें अकादमी पुरस्कारों में इस साल पॉल थॉमस एंडरसन की फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनदर' और रयान कूगलर की 'सिनर्स' के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। 'वन बैटल आफ्टर अनदर' को 13 नामांकनों में से 6 ऑस्कर अवॉर्ड मिले, जबकि 'सिनर्स' को 16 नामांकन में से 4 अवॉर्ड हासिल हुए।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का ऑस्कर माइकल बी. जॉर्डन को उनकी फिल्म 'सिनर्स' के लिए मिला। वहीं जेसी बकली ने 'हैमनेट' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार अपने नाम किया। बेस्ट फिल्म और बेस्ट डायरेक्शन का अवॉर्ड 'वन बैटल आफ्टर अनदर' और पॉल थॉमस एंडरसन के नाम रहा। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्रीः एमी मैडिगन ('वेपन्स'), सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फीचर फिल्मः के–पॉप डेमन हंटर, सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड शॉर्ट फिल्मः द गर्ल हू क्राइड पर्ल्स, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइनः केट हॉली ('फ्रेंकेंस्टीन'), सर्वश्रेष्ठ मेकअप और हेयरस्टाइलिंगः माइक हिल, जॉर्डन सैमुअल और क्लियोना फ्यूरी ('फ्रेंकेंस्टीन'), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेताः शॉन पेन, सर्वश्रेष्ठ मूल पटकथाः रयान कूगलर ('सिनर्स'), सर्वश्रेष्ठ रूपांतरित पटकथाः पॉल थॉमस एंडरसन ('वन बैटल आफ्टर अनदर'), सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइनः फ्रेंकेंस्टीन, सर्वश्रेष्ठ विजुअल इफेक्टः अवतारः फायर एंड ऐश, सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचरः मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन, सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्मः सेंटीमेंटल वैल्यू, इस साल का ऑस्कर समारोह फिल्म जगत के लिए रोमांचक और ऐतिहासिक साबित हुआ।

प्रतापगढ़ में मां-बेटे की निर्मम हत्या, इलाके में फैली सनसनी

यूनिक समय, प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के अंतू थाना क्षेत्र के पारा हमीदपुर गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां 40 वर्षीय शिवपत्ती मौर्या और उनके 12 वर्षीय बेटे अयान की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। दोनों के शव खून से लथपथ घर के भीतर मिले, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, शिवपत्ती के पति दिनेश रोजी-रोटी के सिलसिले में घर से बाहर रहते थे। हत्या की घटना रविवार रात हुई मानी जा रही है। सोमवार सुबह जब एक शटरिंग मिस्त्री घर के पास से गुजर रहा था, तो उसने खून से लथपथ शव देखे और तुरंत ग्रामीणों को सूचना दी। इस पर बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मुआयना किया। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। थाना प्रभारी अभिषेक सिरोही ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। प्राथमिक जांच में हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है और संभावित संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है।

धारदार हथियार से हुई हत्या, पुलिस ने शुरू की जांच

बताया जा रहा है कि घर की तीनों बेटियां उस समय शहर गई हुई थीं, इसलिए उनकी कोई चोट नहीं आई। मृतकों के परिवार और गांव में घटना से दुख और डर का माहौल है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में पेट्रोलिंग बढ़ा दी है और लोगों से अपील की है कि इस समय संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क रहें। जांच में घर के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों और गांववालों की मदद ली जा रही है। घटना ने इलाके में सुरक्षा की चिंता को बढ़ा दिया है। पुलिस जल्द से जल्द हत्यारे को पकड़ने और हत्या के पीछे के कारणों का खुलासा करने के प्रयास में जुटी है।

लखनऊ में तालाब किनारे कूड़े में जोरदार धमाका

इलाके में दहशत का माहौल, लटक गई फॉल सीलिंग

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बेहटा क्षेत्र में रविवार रात करीब 9:45 बजे तालाब के किनारे लगे कूड़े के ढेर में अचानक जोरदार धमाका हो गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों में कंपन महसूस किया गया और लोग भयभीत होकर घरों से बाहर निकल आए। घटना के दौरान फॉल सीलिंग नीचे लटक गई, जिससे आसपास के लोग और अधिक दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

घटना राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पास घटी। तालाब के किनारे रहने वाले शमसुद्दीन ने बताया कि वह सोने की तैयारी कर रहे थे कि अचानक तेज आवाज सुनाई दी। बाहर निकलने पर चारों तरफ धुएं का गुबार फैला हुआ था। वहीं धमाके से मो. हसीब के घर की फॉल सीलिंग लटक गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को तुरंत सूचित किया।

पुलिस ने प्रारंभिक जांच में यह मामला किसी शरारती तत्व की करतूत मानते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही, पंचायत चुनाव को लेकर क्षेत्र में चल रहे दो पक्षों के विवाद को भी जांच के दायरे में रखा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों में पहले से तनाव का माहौल था और इस धमाके के पीछे साजिश की आशंका भी जताई जा रही है। एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह और इंस्पेक्टर गुडंबा मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज सुनते ही पिछले साल की याद ताजा हो गई, जब बेहटा क्षेत्र में एक घर में अवैध रूप से चल रही पटाखा फैक्टरी में धमाका हुआ था। उस हादसे में चार लोगों की जान गई थी और पुलिस ने बड़ी मात्रा में पटाखा और बारूद बरामद किया था। लोग डर और सहम के कारण घरों से बाहर आ गए थे।

पुलिस ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। साथ ही, स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे डर के बावजूद अफवाहों पर विश्वास न करें और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

इस धमाके ने इलाके में भय और दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और अग्निशमन विभाग मिलकर स्थिति को नियंत्रण में रखने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास कर रहे हैं। इस घटना से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाने की जरूरत पर भी बल दिया गया है।

युद्ध और वैश्विक मंदी ने किया आलू किसानों का बुरा हाल

कीमतें आधी रह गईं, कोल्ड स्टोरेज भी भर गए

यूनिक समय, अलीगढ़। इस बार आलू की फसल किसानों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। अलीगढ़ के इगलास, अतरौली, खैर और अकराबाद क्षेत्र में बंपर पैदावार के बावजूद आलू के दाम आधे रह गए हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंदी के चलते चिप्स और पाउडर बनाने वाली कंपनियां खरीद के लिए नहीं आ रही हैं। किसानों की लागत निकालना मुश्किल हो गया है।

इगलास क्षेत्र के विकास सह ने आलू की फसल और भाव गिरने से हताश होकर अपनी जान ले ली। उन्होंने कोल्ड स्टोरेज से एडवांस लेने की कोशिश की, लेकिन मंदी के कारण असफल रहे। इस बार आलू का कट्टा 200-250 रुपये में बिक रहा है, जबकि पिछले साल 500-700 रुपये प्रति कट्टा था। छोटे आकार के आलू की मांग लगभग नहीं है।

अलीगढ़ मंडल के उपनिदेशक बलजीत सिंह ने बताया कि 2025-26 में आलू का रकबा बढ़कर 31,550 हेक्टेयर हो गया, लेकिन कंपनियों का रुख नहीं आने से भाव गिर रहे हैं। यूरोपीय देशों में भी रिकॉर्ड पैदावार हुई है और मांग कम होने से कीमतें प्रभावित हुई हैं। यूरोपीय संघ ने फ्रोजन आलू पर अतिरिक्त टैक्स लगा दिया, जिससे भारतीय निर्यात प्रभावित हुआ।

किसानों की लागत भी भारी है। एक बीघा में बुवाई, खोदाई, ढुलाई और कोल्ड स्टोरेज खर्च मिलाकर करीब 10,000 रुपये खर्च हो रहे हैं, जबकि 45 कट्टे आलू में दाम साइज और वैरायटी के अनुसार 200-300 रुपये प्रति कट्टा हैं। इस कारण लागत भी नहीं निकल पा रही। किसान आलू को कोल्ड स्टोरेज में रख रहे हैं, लेकिन अधिकांश स्टोरेज पहले से भर चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक संकट और युद्ध का असर अभी भी भारतीय किसानों पर पड़ रहा है और स्थिति में सुधार आने में कुछ समय लगेगा। अलीगढ़ के किसान अब भाव स्थिर होने और बेहतर निर्यात के इंतजार में हैं, जबकि लागत और बाजार अस्थिरता उनकी चिंता बनी हुई है।

युवक ने मलाशय में बोतल डाल दी, दर्द से तड़पता रहा

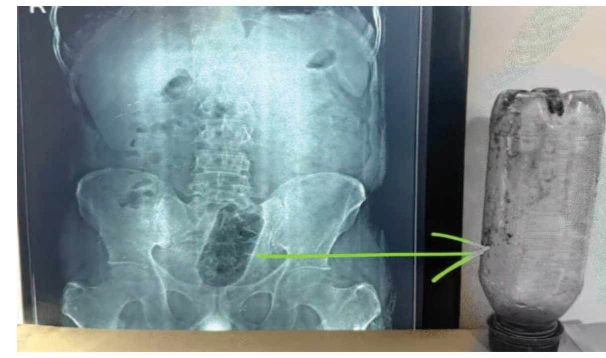

यूनिक समय, आगरा। आगरा के साकेत कालोनी में 38 वर्षीय एक युवक ने अपने मलाशय में एक लीटर की बोतल डाल दी, जो फंस जाने के बाद करीब 36 घंटे तक दर्द और असहनीय पीड़ा में रहा। उसने इस दौरान खाना-पीना छोड़ दिया और कमरे में ही पड़ा रहा। परिवार ने उसे देख कर तुरंत नवदीप हॉस्पिटल ले जाकर भर्ती कराया।

डॉक्टरों ने युवक का एक्स-रे किया, जिसमें मल द्वार के पास बोतल फंसी हुई दिखाई दी। वरिष्ठ सर्जन डॉ. सुनील शर्मा की अगुवाई में एक आपातकालीन सर्जरी की गई। सर्जरी के दौरान खास ध्यान रखा गया कि मलाशय फटे नहीं और अंदर कोई जख्म न हो। लगभग एक घंटे दस मिनट चली सर्जरी में बोतल को सुरक्षित बाहर निकाला गया। ऑपरेशन टीम में डॉ. दीपक, डॉ. भुवेश, राजेंद्र, गजेंद्र, शादाब और रोहतांग शामिल थे।

युवक चार दिन तक अस्पताल में भर्ती रहा। इस दौरान मलाशय की जांच और घाव भरने की प्रक्रिया पूरी की गई। डॉक्टरों ने बताया कि युवक को साइको सेक्सुअल डिसऑर्डर एनल इरोटिसिज्म (गुदा कामुकता) है। इस मानसिक विकार में व्यक्ति को गुदा द्वार को छूने या उसमें वस्तुएं डालने से यौन उत्तेजना मिलती है। लखनऊके मनोचिकित्सक डॉ. सुमित कुमार ने कहा कि ऐसे मरीजों को काउंसलिंग दी जाती है और उन्हें बार-बार इस आदत को छोड़ने में मदद की जाती है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, सेक्स एडिक्शन या 'कम्पलसिव सेक्शुअल बिहेवियर' को मानसिक बीमारी के रूप में मान्यता मिली है। इसमें व्यक्ति अपने यौन लालच और उत्तेजना पर नियंत्रण नहीं रख पाता, जिससे स्वास्थ्य, व्यक्तिगत देखभाल और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीर असर पड़ता है।

युवक को डिस्चार्ज कर दिया गया और वह अब सामान्य रूप से शौच कर पा रहा है। डॉक्टरों ने परिवार को भविष्य में सावधानी रखने और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की सलाह दी है। यह घटना आगरा में साइको सेक्सुअल डिसऑर्डर की गंभीरता और समय पर चिकित्सीय हस्तक्षेप की आवश्यकता को सामने लाती है।

मुरादाबाद में भीषण सड़क हादसा

तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी, चार युवकों की मौत

यूनिक समय, मुरादाबाद। लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह मुरादाबाद के मूंढापांडे क्षेत्र में एक गंभीर सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए और कार में सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में एक और युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

घटना मनकरा मोड़ के पास हुई। कार ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे चल रही थी, जिसमें ईंटों का भार था। अचानक टक्कर इतनी जोरदार हुई कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों और राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे युवकों को बाहर निकाला गया और मूंढापांडे सीएचसी पहुंचाया गया। वहां डाक्टरों ने चार युवकों को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल चालक यशदीप पांडे को जिला अस्पताल रेफर किया गया। मृतकों की पहचान नैनीताल निवासी दयाल रावत, अनिल नेगी, सुंदर सैनी और भुवन भंडारी के रूप में हुई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी है और हादसे की पूरी गहनता से जांच की जा रही है। सीओ हाईवे राजेश कुमार ने बताया कि कार चालक की तेज गति और ट्रॉली की चपेट में आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मार्ग पर सुरक्षा और सतर्कता बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

स्थानीय लोग इस घटना से सकते में हैं। उन्होंने कहा कि हाईवे पर तेज रफ्तार और अव्यवस्था के कारण बार-बार ऐसे हादसे हो रहे हैं। प्रशासन और पुलिस को चाहिए कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए और सड़क पर वाहन चालकों को सतर्क किया जाए।

इस हादसे ने मुरादाबाद में सड़क सुरक्षा और हाईवे पर ट्रैफिक नियमों की अनुपालना पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सार संक्षेप

चलती ट्रेन में महिला कराटे खिलाड़ियों से बदसलूकी आरोपी हिरासत में

यूनिक समय, नई दिल्ली। नागपुर विश्वविद्यालय की महिला कराटे टीम के साथ चलती ट्रेन में बदसलूकी का मामला सामने आया है। टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने ओडिशा के बालासोर जा रही थी। यात्रा के दौरान कुछ युवकों ने खिलाड़ियों पर फब्तियां कसीं और उन्हें परेशान किया। घबराई छात्राओं ने परिजनों को जानकारी दी। सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल ने अगले स्टेशन भद्रक पर आरोपियों को हिरासत में ले लिया और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

यूएई में भारतीयों की गिरफ्तारी, सोशल मीडिया पर फेक कंटेंट रहा कारण

यूनिक समय, नई दिल्ली। अरब अमीरात में 19 भारतीय नागरिकों को सोशल मीडिया पर फेक और एआई से तैयार किए गए वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ये वीडियोज ईरानी हमलों और युद्ध से जुड़ी भ्रामक जानकारी फैलाते थे। यूएसए में साइबर क्राइम कानून सख्त है और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा डालने वाली सामग्री अपराध मानी जाती है। भारतीय दूतावास ने भी चेतावनी दी है कि अनवेरिफाइड कंटेंट साझा न करें और केवल आधिकारिक स्रोतों से जानकारी लें।

इजराइल-ईरान संघर्ष: खाड़ी देशों में भी हमले

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमलों के बाद ईरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ईरान ने ड्रोन और मिसाइलों से यूएई, बहरीन, कुवैत, कतर और सऊदी अरब पर हमले किए, जिसमें नागरिक और ऊर्जा ढांचा प्रभावित हुआ। दुबई एयरपोर्ट पर आग लगी और उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी गईं। संघर्ष 28 फरवरी 2026 से जारी है और दोनों ओर से हवाई हमले लगातार हो रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में प्रशासनिक फेरबदल

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग ने बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। आयोग ने दुष्यंत नरियाला को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया और संघमित्रा घोष को गृह एवं पर्वतीय मामलों की प्रधान सचिव बनाया। आयोग ने निर्देश दिया कि तबादला किए गए अधिकारी चुनाव संपन्न होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं होंगे। नियुक्तियों की अनुपालन रिपोर्ट सोमवार अपराह्न तीन बजे तक भेजी जानी है।

संसद भवन पर सुरक्षा अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद भवन के गेट पर अचानक बूम बैरियर गिरने से सुरक्षा सायरन बज उठा। इससे परिसर में गाड़ियों की एंट्री कुछ देर के लिए रोक दी गई और गेट के बाहर अफरा-तफरी मच गई। बजट सत्र के दौरान हुई इस घटना से सुरक्षाकर्मी तुरंत अलर्ट हो गए और सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया। सुरक्षा टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जबकि सायरन बजने से संसद परिसर में हलचल बढ़ गई।

कटक मेडिकल कॉलेज में भीषण आग

आग लगने से 10 मरीजों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के कटक शहर में सोमवार तड़के एक भयानक हादसा हुआ। शहर के प्रमुख एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के ट्रॉमा केयर विभाग के गहन चिकित्सा कक्ष में अचानक आग लग गई, जिससे 10 मरीजों की मृत्यु हो गई। आग सुबह लगभग ढाई से तीन बजे के बीच भड़क उठी और देखते ही देखते पास के वार्डों तक फैल गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट-सर्किट बताया गया है। आग लगते ही अस्पताल में अफरातफरी मच गई। अधिकारियों और दमकलकर्मियों की तत्काल प्रतिक्रिया के कारण आग पर नियंत्रण पाया गया। बचाव कार्य के दौरान 11 कर्मचारी घायल हुए। गंभीर मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए अस्पताल के कर्मचारियों, पुलिस और परिजनों ने संयुक्त रूप से प्रयास किया। कुल 23 मरीजों को अन्य वार्डों और विभागों में शिफ्ट किया गया। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और मरीजों तथा उनके परिजनों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने बताया कि सात गंभीर मरीज शिफ्टिंग के दौरान ही दम तोड़ गए और इलाज के दौरान तीन और मरीजों की मृत्यु हुई। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में कोई कमी न रहे। इस हादसे ने अस्पताल की सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी की आवश्यकता को स्पष्ट कर दिया है। आग ने न केवल मरीजों और कर्मचारियों को प्रभावित किया, बल्कि आसपास के हिस्सों में भय और तनाव पैदा किया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा और निगरानी प्रणाली को और कड़ा किया जाएगा। मामले की गहन जांच जारी है और किसी भी लापरवाही या तकनीकी त्रुटि का पता लगाया जाएगा। इस भीषण हादसे ने एक बार फिर यह याद दिलाया कि अस्पतालों में सुरक्षा उपाय और आपातकालीन तैयारी का महत्व अत्यंत है।

जयशंकर बोले-ईरान से पुरानी दोस्ती ही काम आई

यूनिक समय, नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया में तनाव के बीच भारत ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से अपने जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय ध्वज वाले प्रत्येक जहाज को व्यक्तिगत अनुमति दी जा रही है और इसके लिए ईरान के साथ कोई नया समझौता नहीं हुआ है। जयशंकर ने यह भी बताया कि यह कदम किसी लेन-देन का हिस्सा नहीं है। भारत और ईरान के बीच पुराना सहयोग ही इस सुरक्षा सुनिश्चित करने का आधार बना। पिछले सप्ताह ईरान ने दो भारतीय एलपीजी वाहनों को हॉर्मुज से गुजरने की अनुमति दी थी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेसीयान के टेलीफोनिक संवाद के कुछ घंटे बाद आया। इसके अलावा, जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची के बीच भी चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान ने हॉर्मुज जलमार्ग को केवल अमेरिकी और इस्राइली जहाजों के लिए बंद रखा है। यह मार्ग विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल के परिवहन का केंद्र है। पिछले 17 दिनों के संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमत 100 प्रति बैरल तक पहुँच गई। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत ने सीधे संवाद का रास्ता अपनाया और किसी नए समझौते या दबाव के बिना सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया। इस कदम से भारत ने वैश्विक तेल संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के बीच अपने हितों की रक्षा करते हुए कूटनीतिक समझदारी दिखाई।

किश्तवाड़ एचआरटी प्रोजेक्ट में भूस्खलन से दो मजदूरों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब डांगडरो एचआरटी प्रोजेक्ट साइट पर अचानक भूस्खलन हो गया। इस दौरान प्रोजेक्ट स्थल पर खड़े एक वाहन में सवार मजदूर मलबे की चपेट में आ गए। हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार भूस्खलन उस समय हुआ जब वाहन साइट पर खड़ा था। अचानक पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा नीचे गिरा और वाहन पूरी तरह उसके नीचे दब गया। घटना की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गया और तुरंत अभियान शुरू किया गया। रेड क्रॉस सोसायटी की किश्तवाड़ यूनिट की टीमों ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। अब तक मलबे से दो शव बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान डोडा निवासी शहनवाज अहमद और किश्तवाड़ के पालमार निवासी निशात अहमद के रूप में हुई है। अधिकारियों का कहना है कि मलबे के नीचे अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है।

पुलिस, प्रशासन और प्रोजेक्ट से जुड़े कर्मचारी संयुक्त रूप से राहत और तलाशी अभियान चला रहे हैं, ताकि फंसे हुए लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकाला जा सके। प्रारंभिक जांच में भूस्खलन का कारण पहाड़ी क्षेत्र की अस्थिरता और प्राकृतिक परिस्थितियों को माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों द्वारा घटनास्थल की विस्तृत जांच भी की जा रही है, ताकि किसी तकनीकी या मानवीय गलती की संभावना का भी पता लगाया जा सके।

ट्रंप की होर्मुज अपील को सहयोगियों ने ठुकराया

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सहयोगी देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए युद्धपोत भेजने की अपील की थी। यह समुद्री मार्ग विश्व तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत संभालता है और सुरक्षा के लिए ट्रंप ने सात देशों से मदद की गुहार लगाई।

हालांकि, जापान, ऑस्ट्रेलिया और तुर्की समेत कई देशों ने युद्धपोत भेजने से साफ इनकार कर दिया। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह इस पर विचार करेगा। ट्रंप ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मदद करना अच्छा है और न करना भी ठीक है। उनका कहना था कि देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा देश हमारी अपील को ठुकराता है। ट्रंप की यह अपील ईरान की धमकियों के बीच आई है और उन्होंने सहयोगी देशों से स्पष्ट किया कि होर्मुज की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता उनके प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध के तीसरे हफ्ते में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वैश्विक ऊर्जा बाजार प्रभावित न हो। इस बीच अमेरिका ने खुद इस जलमार्ग की निगरानी के लिए अपनी नौसेना तैनात रखी है और किसी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने की तैयारी पूरी कर ली है।

ओलों और आंधी का कहर, 17 राज्यों में मौसम हाई अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में बढ़ती गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट ली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 16 मार्च से अगले कुछ दिनों तक उत्तर-पश्चिम, पूर्वी और मध्य भारत के 17 राज्यों में मध्यम से भारी बारिश, तेज आंधी-तूफान, गरज-चमक और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। हवाओं की गति 60 से 75 किमी प्रति घंटा तक रहने का अनुमान है। इससे किसानों, यात्रियों और आम जनता को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश शुरू हो चुकी है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ ओले गिरने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 16 से 20 मार्च तक ओलावृष्टि और बारिश की संभावना बनी रहेगी। पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी भी संभव है। पूर्वी और मध्य भारत में भी मौसम की मार जारी रहेगी। बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 16 से 19 मार्च तक हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि की संभावना है।

भारी बर्फबारी से बद्रीनाथ धाम सफेद चादर में ढका

कश्मीर और मनाली में जनजीवन प्रभावित

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में इन दिनों कुदरत का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड, कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बर्फबारी ने जहां खूबसूरत दृश्य पैदा किए हैं, वहीं जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित बद्रीनाथ धाम पूरी तरह बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया है। लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मंदिर परिसर के साथ-साथ आसपास के नीलकंठ और नारायण पर्वत की चोटियां भी बर्फ से ढकी नजर आ रही हैं। क्षेत्र में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे बद्रीनाथ और आसपास के इलाकों में कड़ाके की ठंड लौट आई है। कश्मीर के ऊंचे इलाकों में भी ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। कई स्थानों पर मध्यम से भारी बर्फबारी हुई, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश देखने को मिली। शोपियां जिले की मुगल रोड, पीर की गली, जोजिला दर्रा, बांदीपोरा की गुरेज घाटी, कुपवाड़ा का साधना टॉप और अनंतनाग को किश्तवाड़ से जोड़ने वाला सिंथन टॉप जैसे क्षेत्रों में भारी बर्फबारी हुई है। साधना टॉप पर 12 इंच से अधिक और सिंथन टॉप पर लगभग छह इंच ताजा बर्फ दर्ज की गई।

भारी बर्फबारी के कारण कई जगहों पर सड़कें बंद हो गईं और वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। सिंथन टॉप के पास कई वाहन बर्फ में फंस गए थे, जिसके बाद पुलिस और सेना ने संयुक्त बचाव अभियान चलाकर 214 पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इधर हिमाचल प्रदेश के मनाली में अटल टनल के साउथ पोर्टल के पास अचानक हुई बर्फबारी से 1,000 से अधिक वाहन फंस गए।

युद्ध स्तर पर चल रही राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियां

गोवर्धन में रंगाई पुताई और सफाई काम करते मजदूर।

गोवर्धन सहित पूरे परिक्रमा मार्ग को दिया जा रहा भव्य स्वरूप।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित तीन दिवसीय वृंदावन एवं गोवर्धन आगमन कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन सजग नजर आ रहा है और अपनी तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। लोक निर्माण विभाग की ओर से गोवर्धन चौराहे से लेकर गोवर्धन सौंख अड्डा तक सड़क तथा डिवाइडरों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है तो वहीं एमवीडीए द्वारा गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में इमारतों की रंगाई पुताई, चित्रकारी, प्रकाश के लिए सोलर लाइट, आदि कार्य युद्ध स्तर पर सम्पूर्ण किए जा रहे हैं। नगर पंचायत की ओर से परिक्रमा मार्ग की साफ सफाई, नालियों की सफाई तथा राष्ट्रपति के भ्रमण मार्ग से अतिक्रमण हटाने जैसे कार्यों को अमली जामा पहनाया जा रहा है तो वहीं बिजली विभाग भी अपनी बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटा हुआ है और जगह-जगह नए खंभे लगाकर तथा ट्रांसफार्मर को चेक कर दुरुस्त बनाने में जुटा हुआ है तो वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा राधा कुंड गोवर्धन मार्ग पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो सेफ हाउस बनाए गए हैं जहां पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की दो टीमें ड्यूटी में 24 घंटे मुस्तैद रहेंगी। इसमें लगभग सभी तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। 21 को राष्ट्रपति के गोवर्धन गिरिराज महाराज दानघाटी दर्शन और पूजा अर्चना करने के बाद गिरिराज जी की परिक्रमा भी लगाने के कयास लगाए जा रहे हैं। साथ ही साथ मानसी गंगा स्थित मुकुट मुखारविंद मंदिर पर दुग्ध अभिषेक की भी संभावना जताई जा रही है। मुख्य दान घाटी मंदिर के रिसीवर ललित पुरोहित ने बताया कि राष्ट्रपति के पहली बार गोवर्धन आगमन को लेकर पूरा गोवर्धन क्षेत्र प्रसन्नचित है मंदिर प्रशासन ने भी राष्ट्रपति के स्वागत में पूरे मंदिर परिसर को भव्य और दिव्य स्वरुप दिया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण पुलिस प्रशासन का कार्य है राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए विशेष सुरक्षा व्यवस्था बनाना। क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए गोवर्धन चौराहे से लेकर गोवर्धन तक क्षेत्र को 4 जोन और 8 सेक्टर में बांटा गया है। वहीं गोवर्धन के जमनावता पर तीन अस्थाई हेलीपैड भी बनाए गए हैं।

पति से झगड़ा कर घर से निकली महिला से किया सामूहिक दुराचार

महिला ने यमुना में कूदने और फांसी लगाने का किया प्रयास

मौके पर पहुंची पुलिस ने बचाया

पति ने कराई दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में पति के साथ रहकर मजदूरी करने वाली एक महिला का पति के साथ झगड़ा हो गया। नाराज पत्नी मांट इलाके में पुल पर पहुंच गई। बाइक सवार दो युवकों ने उसे घर छोड़ने के बहाने जंगल में ले जाकर सामूहिक दुराचार किया। महिला ने एक बार यमुना में कूद कर दूसरी बार फांसी लगाने का प्रयास किया, जिसे बचा लिया गया। इस मामले में महिला ने थाना मांट में सामूहिक दुराचार करने वाले युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया गया कि दिल्ली के भजनपुरा इलाके में रहने वाली एक महिला अपने पति के साथ वृंदावन की पीली कोठी इलाके में रहकर मजदूरी आदि का काम करती है। बताया गया कि उसका किसी बात को लेकर पति के साथ झगड़ा हो गया। नाराज होकर महिला वृंदावन से मांट थाना क्षेत्र के पौंटून पुल पर पहुंच गई। महिला को रोते देख लोगों ने उसका कारण पूछा तो महिला ने पति द्वारा मारपीट करना बताया। इसी बीच बाइक पर सवार दो युवक वहां आए और महिला को अपने साथ उसके घर छोड़ने के बहाने ले गए। इन युवकों ने उसके साथ दुराचार किया और महिला को वहीं छोड़ गए। इसके बाद महिला ने पुल पर आकर यमुना में कूदने का प्रयास किया, लोगों ने उसे बचा लिया। इसके बाद फिर उसने फांसी लगा कर जान देने की कोशिश की। पुलिस की पीआरवी ने मौके पर पहुंचकर उसे बचा लिया और थाना मांट ले गई। पुलिस ने उसके पति के पास पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन वह पत्नी को तलाश कर रहा था। महिला ने बाद में पति को अपने साथ हुए हादसे के बारे में बताया। पति ने इस मामले में थाना मांट में पत्नी के साथ सामूहिक दुराचार करने की रिपोर्ट दो युवकों के खिलाफ दर्ज कराई है। पुलिस दोनों युवकों की तलाश कर रही है।

राष्ट्रपति के आने से पहले सड़कों से हटाया अतिक्रमण

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। 19, 20 और 21 मार्च को मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन में उनके कार्यक्रम को देखते हुए शहर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को मथुरा-वृंदावन नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर सड़कों से अतिक्रमण हटाया। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर बीएसए रोड से गोवर्धन चौराहे तक कार्रवाई की। इस दौरान सड़क किनारे लगे अस्थायी ढांचे और अवैध कब्जों को हटाया गया। साथ ही सड़क पर खड़े वाहनों को भी ट्रैफिक पुलिस ने क्रेन की सहायता से जब्त किया। प्रशासन का कहना है कि प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए नगर निगम शहर के सौंदर्यीकरण में भी जुटा हुआ है। सड़कों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई और सजावट का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। अधिकारी लगातार विभिन्न मार्गों और कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में लगे हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति वृंदावन और गोवर्धन भी जाएंगी। गोवर्धन में दानघाटी मंदिर में पूजन-अर्चन तथा गोल्फ कार्ट से परिक्रमा का कार्यक्रम तय माना जा रहा है। साथ ही संत प्रेमानंद महाराज और नीम करौली बाबा आश्रम में भी उनके जाने की संभावना है।

बांके बिहारी मंदिर के गेट नंबर पांच पर धक्का मुक्की

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के गेट नंबर पांच पर श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण धक्का मुक्की की नौबत आ गई। बड़ी मुश्किल से भीड़ को नियंत्रण किया।

डीपीएम पर उत्पीड़न का आरोप

कार्रवाई न होने पर सीएचओ की अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में कार्यरत कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स (सीएचओ) ने (डीपीएम) संजय सिहोरिया पर मानसिक, आर्थिक और सामाजिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए आज सीएमओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की। सीएचओ के अनुसार जब वे अपनी समस्याओं को लेकर डीपीएम से बात करते हैं तो उनसे कथित रूप से पैसे की मांग की जाती है। उनसे कहा जाता है कि यदि समय पर वेतन और अन्य भुगतान चाहिए तो उनकी मांग के अनुसार पैसा देना होगा। ऐसा न करने पर झूठे आरोप लगाकर नौकरी से हटवाने की धमकी दी जाती है। सीएचओ ने बताया कि डीपीएम ने कई बार अभद्र भाषा का प्रयोग किया है और अनावश्यक दबाव बनाया जाता है। यहां तक कि आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में भी कई बार अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। सीएचओ का कहना है कि कई महीनों से उनका वेतन और अन्य भुगतान भी समय पर नहीं हो रहा है। सीएचओ ने कहा कि मेरी ड्यूटी कई बार अन्य कामों में लगा दी जाती है। कर्मचारियों ने कहा कि जब तक डीपीएम के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई नहीं की जाती, लंबित भुगतान नहीं किया जाता और भविष्य में ऐसी स्थिति रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक उनकी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।

धरना प्रर्दशन में विनीत सिंह, सुधीर, विवेक भारद्वाज, ललित कुमार, राजेश कुमार, पुष्पेंद्र, लक्ष्मी नारायण, विवेक, घनश्याम, ऋषभ जैन, गोविंद राम, अनीता, सोनी सिंह मोहित शर्मा आदि मौजूद थे।

होली मिलन समारोह में व्यापारी नेताओं का सम्मान किया गया

यूनिक समय, मथुरा। मंडी रामदास व्यवसाय समिति के बैनर तले होली मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन चित्रकूट मसानी पर किया गया। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष राज नारायण गौड़ ने की। इसमें नगर उद्योग व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने किया। नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, शशि भानु गर्ग, सुनील साहनी, राम खत्री, गुरमुख दास ,विकास जिंदल, भगवान चतुर्वेदी, मीना लाल अग्रवाल, दिलीप पांडे ,मुकेश अग्रवाल, इंजीनियर राजकुमार शर्मा, बंसीलाल शर्मा, मथुरा गिलट व्यवसाय समिति के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल आदि का स्वागत किया।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष लोकेश तायल, भाजपा पार्षद कुंज बिहारी भारद्वाज, नीरज वशिष्ठ, बृजेश खरे उपस्थित थे। श्री कृष्ण जन्म स्थान संस्थान से उप प्रबंधक अनुराग पाठक ने विशेष रूप से सहभागिता की। मंडी रामदास व्यावसायिक समिति के अध्यक्ष एवं नगर उद्योग व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष राज नारायण गौड़, महामंत्री प्रेम शंकर अग्रवाल, संगठन महामंत्री अभिषेक शर्मा "आशु", उपाध्यक्ष अजय सैनी, उमेश चंद सोनी, राजीव बंसल, बालकिशन अग्रवाल, अमित अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, सुधीर चौधरी और कपिल अग्रवाल बालकिशन वर्मा आदि उपस्थित थे। समिति के संरक्षक राजीव शर्मा ने आभार जताया।

कुकर्म करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने कुकर्म के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार नगला सिरया में एक ग्रामीण के साथ मारपीट कर उससे बेहोश करने के बाद उसके साथ कुर्कम करने के मामले में थाना मांट में योगेश कुमार निवासी नगला गंगा और शिवराम निवासी नगला सिरया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में योगेश कुमार को उसके घर के समीप से गिरफ्तार कर लिया।

गोवर्धन के बड़ा बाजार में 16 वर्ष बाद हुआ हुरंगा

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा के बड़ा बाजार में आयोजित फाग महोत्सव और हुरंगा में बड़ा बाजार, मोदी खाना, हाथी दरवाजा के तमाम नर नारियों ने हिस्सा लिया। बताते चलें कि पिछले 16 वर्षों से हुरंगे का आयोजन स्थगित चला आ रहा था। इतने वर्षों के बाद हुए इस हुरंगे के आयोजन से सभी लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। पूरे बाजार को रंग बिरंगी झालरों से सजाया गया। रंग-बिरंगे गुब्बारे से और लाइटों से पूरा बाजार जगमग नजर आ रहा था तो वहीं ढोल नगाड़े, तासे बाजे, और बैंड की मधुर धुन पर सभी बृजवासी महिला पुरुष जमकर थिरक रहे थे। महिलाओं ने पुरुषों के साथ छड़ी मार हुरंगा खेला। रात्रि में रसिया दंगल हुआ।

बाजना में 40 साल बाद भी विकास का दम घुट रहा

संवाददाता

यूनिक समय, बाजना (मथुरा)। विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच कस्बा आज अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। नगर पंचायत का दर्जा मिले चार दशक बीत गए, लेकिन जनसुविधाओं के नाम पर स्थिति आज भी 'ढाक के तीन पात' वाली है।

कस्बे की मुख्य सड़कें सरकारी कागजों में तो 80 फुट चौड़ी हैं, लेकिन मौके पर महज 20 फुट रह गई हैं। लालपुर चौक, महादेव गंज और बड़ा बाजार जैसे इलाकों में पक्के

अतिक्रमण की मार, बस स्टैंड का अभाव और फरीदाबाद-पलवल बस सेवा को तरसती जनता

अतिक्रमण ने सड़कों को संकरी गलियों में तब्दील कर दिया है। अवैध टेम्पो स्टैंड और बेतरतीब दुकानों के कारण घंटों जाम लगा रहता है, जिससे एम्बुलेंस जैसे आपातकालीन वाहन भी फंस जाते हैं। विरोध करने पर राहगीरों को बदसलूकी का सामना करना पड़ता है। यमुना एक्सप्रेस-वे से सटा होने के बावजूद बाजना में एक व्यवस्थित बस स्टैंड तक नहीं है। 50 से अधिक गांवों के यात्री सड़क किनारे असुरक्षित खड़े होकर बसों का इंतजार करते हैं। सबसे बुरा हाल उन छात्रों और कामगारों का है जिन्हें प्रतिदिन फरीदाबाद या पलवल जाना पड़ता है। सीधी रोडवेज सेवा न होने से उन्हें डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी हो रही है।

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि कस्बे को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए और फरीदाबाद-पलवल के लिए तत्काल सीधी बस सेवा शुरू की जाए ताकि हजारों लोगों को राहत मिल सके।

पूर्व सैनिकों की नारियों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को सुना

यूनिक समय, मथुरा। पूर्व सैनिक संपर्क अभियान आउट रीच प्रोग्राम के अंतर्गत तहसील छाता में सूबेदार एसपी सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल ए के सिंह ने पूर्व सैनिकों की नारियों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को सुना। केंद्र व प्रदेश शासन से पूर्व सैनिकों के हितार्थ चल रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज लीग को कोर्डिनेटर खेमचंद शर्मा नगेश ने कहा तो वह क्षेत्र में सैनिक बंधु और उनके परिवारों के संपर्क में रहे तथा समस्याओं की जानकारी जिला सैनिक कल्याण बोर्ड एवं पूर्व सैनिक संघ को देते रहे। पूर्व सैनिकों से प्राप्त बिंदुओं पर संबंधित विभागों से शीघ्र कार्रवाई करने के लिए निवेदन करने का आश्वासन भी दिया। जिला सैनिक कार्यालय की टीम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के अतिरिक्त वरिष्ठ सैनिक बंधु कैप्टन जवाहरलाल, वरिष्ठ सहायक मनोज कुलश्रेष्ठ, हवलदार प्रेम सिंह, हवलदार दशरथ, नायक तेजपाल, हवलदार प्रहलाद सिंह एवं हवलदार ओम प्रकाश आदि उपस्थित थे।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053